संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, मंगलवार 10 नवंबर 2026 ₹ 2 | www.actionindialive.com | Facebook.com/actionindialivee

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 312 पृष्ठ: 08 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड - चंडीगढ़

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group



गोरखपुर में गोवर्धन पूजा करते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

दिल्ली में आज से शुरू होगी यमुना रिवर क्रूज सेवा, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल करेंगे उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली में छठ महापर्व से पहले मंगलवार को यमुना रिवर क्रूज सेवा का उद्घाटन केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सोनिया विहार में आयोजित कार्यक्रम में करेंगे। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 26 अक्तूबर को सोनिया विहार से जगतपुर तक क्रूज सेवा का ट्रायल रन किया था। सोनिया विहार से जगतपुर तक लगभग छह किलोमीटर के जलमार्ग पर विकसित की जा रही यह क्रूज सेवा दिल्ली में पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। नदी के आसपास उपलब्ध सुविधाओं को विकसित करके इस क्षेत्र को दिल्लीवासियों के लिए एक आकर्षक पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बनाया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कियोस्क, रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए किड्स जोन और अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

ट्रायल रन

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 26 अक्तूबर को सोनिया विहार से जगतपुर तक क्रूज सेवा का ट्रायल रन किया था



30 यात्रियों की क्षमता वाला यह क्रूज सोनिया विहार से जगतपुर स्थित शनि मंदिर तक आने-जाने का पूरा सफर लगभग 35 से 45 मिनट का होगा। यात्रियों के लिए तैयार की गई व्यवस्था के अंतर्गत परिसर में प्रवेश शुल्क 50 रुपये और क्रूज की एक पूरी यात्रा का प्रस्तावित शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है।

फास्ट न्यूज

कैंसर रोधी 1,364 दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य प्रभावी

नई दिल्ली। देश में कैंसर रोधी 1,364 दवा फॉर्मूलेशन के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सोमवार से लागू हो गए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के इस कदम से उपभोक्ताओं को सालाना अनुमानित 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के द्वारा 137 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार विक्रय को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 फीसदी तक सीमित करने के बाद 1,364 कैंसर रोधी दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 9 नवंबर 2026 से देशभर में लागू हो गए हैं। बयान के अनुसार औषधि विभाग के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर, 2026 को सौंपी गई सिफारिशों के आधार पर कुल 137 कैंसर रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर व्यापार मार्जिन की सीमा तय की थी।

तीसरे वनडे में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

हैमिल्टन। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां सेडन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-0 से आगे है। हालांकि, चोटों से जूझ रही न्यूजीलैंड की टीम को उसके घरेलू मैदान पर हराना आसान नहीं होगा। यहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल हैं और भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की परीक्षा ले सकती हैं। पहले दो मुकाबलों में विराट कोहली को छोड़कर भारतीय बल्लेबाजी क्रम के अन्य खिलाड़ी सहज नजर नहीं आए हैं। कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी रोहित शर्मा भी तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते दिखे हैं। गिल के लिए इस मुकाबले में सीरीज जीतना प्राथमिकता होगी।

दिल्ली की हवा बेहद खराब: गैस चैंबर बनी दिल्ली, जिम्मेदार कौन?

सांसों पर संकट

सड़कों पर दृश्यता काफी कम हो गई तो आम लोगों को आंखों और गले में जलन की स्थिति का सामना करना पड़ा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली में दिवाली के बाद की सुबह काफी धुंध भरी रही। स्मॉग का असर ऐसा रहा कि जहां सड़कों पर दृश्यता (विजिबिलिटी) कफी कम हो गई तो वहीं आम लोगों को आंखों और गले में जलन की स्थिति का सामना करना पड़ा। दिल्ली में सोमवार को इस स्थिति के पीछे दिवाली पर एक घंटे तक आतिशबाजी को माना जा रहा है। हालांकि, अगर बीते कुछ दिनों के आंकड़ों को उठाया जाए तो सामने आता है कि दिवाली की आतिशबाजी का असर इस साल उतना नहीं रहा, जितना अन्य दिनों में हुआ है। ऐसे में यह जानना अहम है कि दिल्ली में आज वायु गुणवत्ता का हाल क्या रहा है? अगर बीते वर्षों में दिवाली के बाद के दिन का वायु गुणवत्ता का हाल देखा जाए तो उनकी तुलना में इस बार हालात कैसे हैं? दिल्ली में बीते दिनों के मुकाबले आज एक्यूआई की स्थिति क्या है और क्यों आतिशबाजी के बाद भी स्थिति उतनी नहीं बिगड़ी? आगे स्थिति कैसी रहने का अनुमान है?

दिल्ली में वायु गुणवत्ता का क्या हाल रहा?

दिवाली की रात नियमों का उल्लंघन कर देर रात तक छोड़े गए पटाखों के कारण दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंचा है।



दिवाली पर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 10 गुना वृद्धि- कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब में दिवाली के दिन पराली जलाने की 10 गुना वृद्धि (1200 घटनाओं) को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिवाली की शाम से पंजाब के किसानों के फोन आने शुरू हुए, जिनमें बताया गया कि जब किसान अपने परिवार के साथ दिवाली मना रहे थे, उस दौरान उनके खेतों में आग लगाई जा रही थी। शुरूआत में इन शिकायतों पर विश्वास करना कठिन था, लेकिन लगातार विभिन्न क्षेत्रों से ऐसी सूचनाएं मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार के सैटेलाइट डेटा मंगवाया गया। कपिल मिश्रा ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 9 शाम नाथ मार्ग, सिविल लाइन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सैटेलाइट आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 5, 6 और 7 नवंबर को पराली जलाने की घटनाएं लगभग 100 से 125 के बीच दर्ज हुई थीं, जबकि 8 नवंबर की शाम यह संख्या अचानक बढ़कर लगभग 1200 हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में घटनाओं की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आशंका जताई कि किसानों के खेतों में जानबूझकर आग लगाकर दिवाली, किसानों और दिल्ली को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। कपिल मिश्रा ने कहा कि 7 नवंबर को लगभग 125 स्थानों पर पराली जलने की घटनाएं थीं, फिर दिवाली के दिन अचानक 1200 स्थानों पर आग कैसे लग गई? 10 गुना से ज्यादा आंकड़ा कैसे बढ़ गया? यह बहुत गंभीर विषय है।

वायु गुणवत्ता और एक्यूआई की स्थिति

औसत एक्यूआई: दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 370 दर्ज किया गया।

निगरानी प्लेटफॉर्म्स के आंकड़े: ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म के मुताबिक, दिवाली के बाद दिल्ली का एक्यूआई 2,283 तक चढ़ गया था और सुबह यह 637 पर दर्ज किया गया, जिसे खतरनाक माना गया।

रविवार और दिवाली की रात: दिवाली के दिन शहर का औसत एक्यूआई 376 रहा था। दिवाली की रात 59 निगरानी स्टेशनों में से 20 स्टेशनों पर हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज हुई थी।

अन्य गंभीर क्षेत्र: बवाना, बुराड़ी, पंजाबी बाग, ओखला समेत कई क्षेत्रों में हवा 'गंभीर' श्रेणी में बनी रही।

दिल्ली में कौन से प्रदूषक तत्व सबसे ज्यादा डाल रहे असर?

स्विट्जरलैंड के वायु गुणवत्ता मापने वाले प्लेटफॉर्म आईक्यूएयर के मुताबिक, हवा में सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की सांद्रता 170 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वार्षिक दिशा-निर्देशों से लगभग 34 गुना ज्यादा है। पीएम2.5 सबसे प्रमुख चिंताजनक प्रदूषक रहा, क्योंकि यह फेफड़ों में गहराई तक जाकर रक्तप्रवाह में प्रवेश करने में सक्षम होता है।



गोरखपुर में जनता दर्शन करते यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

एचएसएससी जारी करेगा भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर

चंडीगढ़। हरियाणा के बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। राज्य में बहुत जल्द करीब 14 हजार पदों के लिए भर्ती परीक्षाओं का आयोजन शुरू होने जा रहा है। इसके लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया जाएगा। कैलेंडर तैयार करने का कार्य अंतिम चरण में है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने यह जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर दी। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा आगामी परीक्षाओं का कैलेंडर तैयार करने का कार्य अंतिम चरण में है। जल्द ही आयोग द्वारा परीक्षा कैलेंडर जारी किया जाएगा, जिसमें सीईटी ग्रुप-डी, सीईटी-स्टेज-टू और आगामी नए पदों के लिए जारी होने वाले विज्ञापनों की जानकारी दी जाएगी। सभी अभ्यर्थी पूरी मेहनत और लगन के साथ अपनी तैयारी जारी रखें तथा और किसी भी जानकारी के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट को चेक करते रहें।

हरियाणा पुलिस में शीतकालीन वर्दी लागू, डीजीपी ने जारी किए आदेश



टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़। बदलते मौसम को देखते हुए हरियाणा पुलिस ने अपने कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए शीतकालीन वर्दी को लागू कर दिया है। सर्दी के मौसम की जल्दी शुरूआत को देखते हुए हरियाणा पुलिस महानिदेशक कार्यालय की तरफ से इस संबंध में राज्य के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों, रेंज के आईजी को पत्र भेजकर सूचित किया गया है। डीजीपी अजय सिंघल द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सर्दियों के जल्दी आने के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि इस बार सर्दियों की शुरूआत जल्दी होने के मद्देनजर पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए विंटर यूनिफार्म लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद प्रदेशभर में पुलिसकर्मी निर्धारित शीतकालीन वर्दी के अनुसार ड्यूटी करेंगे।इसका उद्देश्य मौसम के अनुरूप पुलिसकर्मियों को सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ वर्दी संबंधी एकरूपता और अनुशासन बनाए रखना है।

खरगे के 'खुशियों की ईद' वाले बयान की भाजपा और विहिप ने की निंदा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दीपावली को खुशियों की ईद बताने वाले बयान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने निंदा की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इसे करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने वाला बयान बताते हुए कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण और हिन्दू विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं, विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने खरगे के बयान को पूरे हिन्दू समाज का अपमान बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की। गौरव भाटिया ने सोमवार को यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि खरगे के बयान राहुल गांधी और सोनिया गांधी की हिन्दू तथा सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाते हैं।

दिल्ली में सरकारी सेवाओं में देरी पर तय होगी जवाबदेही

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026 (दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट, 2026) को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों में सेवाओं के वितरण को निर्धारित समय-सीमा से बांधना और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। यह अधिनियम वर्ष 2011 के पुराने समयबद्ध सेवा वितरण कानून की जगह एक अधिक आधुनिक और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि नए कानून से नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार मिलेगा। सरकार अधिसूचना के माध्यम से यह तय करेगी कि कौन-कौन सी सेवाएं इस कानून के दायरे में आएंगी और प्रत्येक सेवा को उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम कितने दिन निर्धारित होंगे। प्रत्येक सेवा के लिए एक नामित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों और अधिसूचित संस्थाओं को भी कानून के दायरे में लाया जा सकेगा। इससे किसी आवेदन के लंबित रहने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। इस व्यवस्था का लाभ यह होगा कि नागरिकों को अपनी सेवा के लिए अनिश्चितकाल तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी।

अधिसूचित

दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट को अधिसूचित किया



जम्मू-कश्मीर समेत पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश, बर्फबारी का अलर्ट

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: देश के मौसम में अगले कुछ दिनों में बड़ा बदलाव होने के आसार हैं। एक तरफ दिल्ली में ठंड के साथ कोहरा गहराने के आसार हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिम के पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से भारी बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों के दौरान आसमान मुख्यतः साफ रहने के आसार हैं। सुबह और देर रात के समय अधिकतर हिस्सों में हल्के से मध्यम कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस बीच का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14-17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

राहुल ने कहा कि बहस के बाद प्रधानमंत्री जवानों का सामना नहीं कर पाएंगे

पीएम के बस्तर दौरे पर राहुल हमलावर: कहा- जवानों को पीएम के वादों पर भरोसा नही

साधा निशाना

सीआरपीएफ जवानों का जिक्र करते हुए दावा किया कि जवान पीएम की बातों पर भरोसा नहीं करते

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर राष्ट्र-विरोधी होने और विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने के आरोपों पर खुली बहस की चुनौती दी है। उन्होंने सीआरपीएफ जवानों का जिक्र करते हुए दावा किया कि जवान प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा नहीं करते। राहुल ने कहा कि बहस के बाद प्रधानमंत्री जवानों का सामना नहीं कर पाएंगे। दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर पहुंचे और यहां उन्होंने तैनात सीआरपीएफ के जवानों के साथ दिवाली मनाई। प्रधानमंत्री के इस दौरे पर नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को निशाना साधा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने यह चुनौती खुद पर लगाए गए 'राष्ट्र-विरोधी' होने और 'विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने' के आरोपों के जवाब में दी। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए उनकी बहस की चुनौती अब भी कायम है और वह किसी भी समय इस मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार हैं।



एक्स पर पोस्ट कर सीआरपीएफ जवानों का किया जिक्र

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जवानों के चेहरे के भाव से साफ पता चल रहा था कि वे प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा नहीं करते। राहुल गांधी ने कहा, 'आपके चेहरों से सब कुछ साफ पता चल रहा था। आपने प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने हमें नक्सली कहा।'

राहुल बोले- कौन राष्ट्र-विरोधी है, इस पर हो खुली बहस

अपनी चुनौती दोहराते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को उनसे इस बात पर बहस करनी चाहिए कि असल में राष्ट्र-विरोधी कौन है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है।उन्होंने कहा, 'मेरी चुनौती कायम है। वे मुझसे इस बात पर बहस करें कि कौन राष्ट्र-विरोधी है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रहा है। कभी भी, कहीं भी।'

बहस के बाद जवानों का सामना नहीं कर पाएंगे पीएम मोदी: राहुल

राहुल गांधी ने आगे दावा किया कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके साथ इस मुद्दे पर बहस करते हैं, तो उसके बाद वह किसी भी जवान का सामना नहीं कर पाएंगे।

मॉनसून सत्र का अब तक सत्रावसान नहीं, 2008 का टूटा रिकॉर्ड, रमेश ने उठाए सवाल

उठे सवाल

संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए 88 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक औपचारिक सत्रावसान नहीं किया

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए 88 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक लोकसभा और राज्यसभा का औपचारिक सत्रावसान नहीं किया गया है। इसके साथ ही संसद के सत्रावसान में अब तक का सबसे लंबा अंतराल दर्ज हुआ है। इससे पहले वर्ष 2008 में 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं हुआ था। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। सोमवार सुबह तक दोनों सदनों का सत्रावसान नहीं होने से मौजूदा सत्र के तहत ही संसद की बैठक दोबारा बुलाए जाने की संभावना बनी हुई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस मामले में सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए हुए 88 दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। रमेश ने संसद की कार्यप्रणाली पर प्रकाशित पुस्तक 'कौल एंड शकधर' के आठवें संस्करण का हवाला देते हुए कहा कि इसमें लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच सामान्यतः दो से चार दिन का अंतर बताया गया है। पुस्तक के फुटनोट में यह अधिकतम अंतर 28 दिन बताया गया है, जो 2015 के मानसून सत्र से जुड़ा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में 2008 के मानसून सत्र का 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं होने का उल्लेख किया था।



उत्तर भारत
ACTION INDIA
ऊना, 10 नवंबर 2026
दैनिक एक्शन इंडिया
http:// www.actionindialive.com

'कारसेवकों पर गोली चलवाने के लिए रामलला से माफी भी मांगें अखिलेश'

'काशी-मथुरा में भव्य मंदिर निर्माण का ऐलान कब करेंगे अखिलेश?', ब्रजेश पाठक का सपा प्रमुख से तीखा सवाल, सनातन संस्कृति की बढ़ती ताकत से घबराई सपा, ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना, रामलला के दर्शन के लिए राहुल गांधी को भी साथ ले जाकर प्रायश्चित करें अखिलेशः सांसद रवि किशन

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा सांसद रवि किशन ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश अयोध्या जाएं तो निहत्थे कारसेवकों पर गोली चलवाने के लिए प्रभु श्रीराम से माफी भी मांगें। वहीं, रवि किशन ने कहा कि अखिलेश जब रामलला के दर्शन के लिए जाएं तो अपने बड़े भाई राहुल गांधी को भी साथ ले जाएं और दोनों बैठकर मंदिर निर्माण का विरोध करने के लिए प्रायश्चित भी करें। ब्रजेश पाठक ने कहा कि जिस पार्टी के शासनकाल में अयोध्या में निहत्थे कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गई थीं, आज उसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामलला के दर्शन करने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा सपा के लोगों ने हमेशा भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल खड़े किए और अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का विरोध किया। पाठक ने कहा कि यह प्रभु श्रीराम की कृपा और सनातन संस्कृति का प्रभाव है कि आज अखिलेश का हृदय परिवर्तन हुआ है। सनातन संस्कृति की बढ़ती ताकत से सपा घबराई हुई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या जा रहे हैं तो उन्हें काशी और मथुरा को लेकर भी अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। वह खुद को भगवान श्रीकृष्ण का भक्त बताते हैं, लेकिन श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े मुद्दे पर कुछ नहीं बोलते।



भगवान राम को काल्पनिक बताने वाले भी आज दर्शन की बात कर रहेः सांसद रवि किशन

यदि वह वास्तव में सनातन संस्कृति का सम्मान करते हैं तो उन्हें राम मंदिर जाकर मथुरा में भव्य मंदिर निर्माण की घोषणा भी करनी चाहिए। रवि किशन ने कहा कि आज अखिलेश यादव रामलला के दर्शन की बात कर रहे हैं, लेकिन पहले उन्हें मौन रहकर यह सोचना चाहिए कि क्या अयोध्या में निहत्थे कारसेवकों पर गोलियां चलवाना और मंदिर निर्माण का विरोध करना सही था? जो भगवान राम को ही काल्पनिक बताते थे, आज वे भी उन्हीं की शरण में जाने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी ने करोड़ों रामभक्तों को उनके आराध्य का भव्य मंदिर दिया है। यह मंदिर सभी हिंदुओं के लिए है और हर किसी को यहां दर्शन के लिए जाना चाहिए। उन्हें लगता है कि इस तरह हिंदुओं और सनातनियों का वोट हासिल कर लेंगे, लेकिन प्रदेश की जनता उनकी असलियत जानती है।

रामलला के दर्शन को लेकर कंफ्यूज हैं अखिलेश यादव, एक वर्ग विशेष के वोट बैंक का सता रहा डरः दयाशंकर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर बीजेपी ने तीखा हमला बोला है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि रामलला के दर्शन को लेकर अखिलेश यादव कंफ्यूज हैं। उन्हें डर है कि कहीं उनके इस कदम से एक वर्ग विशेष का वोट सपा से खिसक न जाए। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि सपा को अब एहसास हो गया है कि जाति और तुष्टीकरण की राजनीति से काम नहीं चलेगा, इसलिए उसे भी रामलला की शरण में आना पड़ रहा है। वहीं, भाजपा प्रवक्ता अंकुश त्रिपाठी ने सपा प्रमुख पर हिंदुओं का वोट हासिल करने के लिए स्वांग रचने का आरोप लगाया। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि सपा सरकार में रामभक्तों पर गोली चलवाई गई थी। देश और प्रदेश का कोई भी सनातनी सपा की इस करतूत को भूला नहीं है। आज अखिलेश यादव सनातनी बनने का ढोंग कर रहे हैं, लेकिन उनकी असलियत से यूपी का बच्चा-बच्चा वाकिफ है। अखिलेश और सपा को केवल एक जाति और एक वर्ग से प्रेम है। बाकी उन्हें हिंदुओं से कोई मतलब नहीं है।

चुनावी फायदे के लिए रामलला के दर्शन करना चाहते हैं अखिलेश

भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अखिलेश यादव केवल चुनावी उद्देश्य से रामलला के दर्शन की बात कर रहे हैं। अगर वह शुद्ध मन से राम की शरण में आते, तो उन्हें इसका लाभ मिलता, लेकिन रामभक्त उन्हें उनके पुराने कार्यों के लिए क्षमा नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह वही समाजवादी पार्टी है, जिसने बाबरी मस्जिद के निर्माण की कसमें खाईं और रामचरितमानस का अपमान कराया। राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अखिलेश यादव को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकराने के बजाय खुद आगे आकर मंदिर निर्माण में योगदान देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अब उन्हें बीती बातों को छोड़कर आगे की सुध लेनी चाहिए और कृष्ण जन्मभूमि के निर्माण में पहल करनी चाहिए।
बीजेपी प्रवक्ता अंकुश त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव समेत सपा के अन्य नेता भगवा वस्त्र पहनकर, त्रिपुंड लगाकर और रुद्राक्ष धारण कर सनातनी होने का स्वांग रच रहे हैं।

पूर्व सांसद लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि को सीएम योगी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि



टीम एक्शन इंडिया

देवरिया/गोरखपुर। देवरिया के पूर्व सांसद, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। सोमवार को देवरिया जनपद स्थित उनके पैतृक गांव बरपार जाकर मुख्यमंत्री ने दिवंगत श्रीप्रकाश मणि के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रीप्रकाश मणि का रविवार को दिल्ली में निधन हो गया था। उनके पुत्र शशांक मणि त्रिपाठी, वर्तमान में देवरिया के सांसद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार दोपहर में बरपार स्थित श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के पैतृक आवास पर पहुंचे। उन्होंने स्मृतिशेष के पार्थिव शरीर पर पुष्प और पुष्पचक्र चढ़ाया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने दिवंगत की आत्मा की चिर शांति के लिए प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की। सीएम योगी ने स्वर्गीय श्रीप्रकाश मणि के पुत्र एवं देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी और अन्य परिजनों से आत्मीयता से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया।

उत्तराखंड राज्यांदोलन के शहीद नेगी और धनाई के स्मारक जीर्णशीर्ण

शहीदों के स्मारक

एक ओर राज्य गठन की 26वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर शहीदों के स्मारकों की ऐसी दशा बनी हुई है

टीम एक्शन इंडिया

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य बनाने के लिए शहादत देने वाले प्रतापनगर विधानसभा के धारकोट गांव निवासी शहीद राजेश नेगी और बंगद्वारा गांव की शहीद हंसा धनाई के स्मारक जीर्णशीर्ण बने हुए हैं। एक ओर राज्य गठन की 26वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर शहीदों के स्मारकों की ऐसी दशा बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने स्मारक सुधारीकरण की मांग की है। बता दें कि राज्य आंदोलन के दौरान धारकोट गांव के राजेश नेगी और बंगद्वारा गांव की हंसा धनाई ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी स्मृति में उनके गांवों में स्मारक बनाए गए। देखरेख के अभाव में दोनों गांवों में स्मारक अब जीर्णशीर्ण हो चुके हैं। धारकोट के पूर्व प्रधान गंभीर सिंह नेगी ने बताया कि हंसा धनाई ने मसूरी गोलीकांड में शहादत दी। जबकि राजेश नेगी ने मुजफ्फरनगर कांड में शहादत दी। बताया कि दोनों स्मारक बहुत की खराब दशा में है। ग्रामीणों ने किसी तरह उन पर रंग-रोगन किया है। लेकिन अब वे टूटने लगे हैं। मूर्ति भी कई जगह टूट गई है, जिसे किसी तरह ठीक कराया गया। बताया कि धारकोट गांव में स्मारक मरम्मत और पुनर्निर्माण का प्रस्ताव ब्लॉक कार्यालय जाखणीधार से जिलाधिकारी कार्यालय को भेजा गया है।



वी मुवीज एंड टीवी अब केवल 35 रुपये में रीजनल ओटीटी पर उपलब्ध

टीम एक्शन इंडिया

गुरुग्राम। भारत के ओटीटी परिवेश में क्षेत्रीय भाषाओं के कंटेंट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए, वी के कंटेंट एग्रीगेटर ऐप वी मूवीज एंड टीवी ने अपने रीजनल एंटरटेनमेंट ऑफर को और मजबूत लिया है। यह ऐप भारत का सबसे किफायती रीजनल एंटरटेनमेंट ऐड-ऑन पैक लेकर आया है। पेश किया गया है, जिसकी कीमत सिर्फ 35 रुपये है। वी का यह नया ऑफर प्रीमियम रीजनल ओटीटी एंटरटेनमेंट की पहुंच को और आसान बनाता है। इसके जरिए, वी के एलिजिबल प्रीपेड ग्राहक नौ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध छह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स में से अपनी पसंद के कोई दो प्लेटफॉर्म्स चुन सकते हैं।ग्राहक इन विकल्पों में से चुनाव कर सकते हैंः तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ कंटेंट के लिए सोनीलिव साउथ; पंजाबी, हरियाणवी और भोजपुरी कंटेंट के लिए चौपाल; मलयालम एंटरटेनमेंट के लिए मनोरमामैक्स; बंगाली एंटरटेनमेंट के लिए क्लिक और अड्डाटाइम्स; तथा ओडिया कंटेंट के लिए आओ नेक्स्ट। तो अब वी के ग्राहकों को किफायती दाम पर अपनी पसंद के रीजन एंटरटेनमेन्ट का लुत्फ उठाने के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्म्स का अलग-अलग सब्सक्रिप्शन लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। केवल मोबाइल के लिए उपलब्ध इस 35 रुपये वाले ऐड-ऑन पैक के साथ 28 दिनों के लिए दो रीजनल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का एक्सेस और 7 दिनों की वैलिडिटी वाला 1जीबी डेटा मिलता है। यह पैक वी के उन प्रीपेड ग्राहकों के लिए उपलब्ध है, जिनके पास एक्टिव सर्विस-वैलिडिटी वाला रिचार्ज मौजूद है।

भराड़ीसैंण से धामी के ऐलान, आंगनबाड़ी-आशा और भोजन माताओं का बढ़ेगा मानदेय

संस्तुति

दोहरी पेंशन और आश्रितों को प्रमाणपत्र जारी करने जैसे मुद्दों पर संस्तुति देगी

टीम एक्शन इंडिया

गोपेश्वर। राज्य स्थापना दिवस पर भराड़ीसैंण से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 13 घोषणाओं के जरिए महिला कर्मियों, अतिथि शिक्षकों, किसानों, बिजली उपभोक्ताओं और राज्य आंदोलनकारियों को साधने का प्रयास किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, आशा कार्यकत्रियों और भोजन माताओं के मानदेय में एक दिसंबर से वृद्धि होगी। अतिथि शिक्षकों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की जाएगी। राज्य आंदोलनकारियों की लंबित मांगों के समाधान के लिए कैबिनेट समिति गठित करने का ऐलान किया गया। सोमवार को विधानसभा परिसर भराड़ीसैंण में राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान को नमन करते हुए प्रदेश की विकास यात्रा का उल्लेख किया। सीएम ने कहा कि कैबिनेट समिति राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण नियमों में छूट, दोहरी पेंशन और आश्रितों को प्रमाणपत्र जारी करने जैसे मुद्दों पर संस्तुति देगी।



स्टार हेल्थ इंश्योरेंस ने परिवारों को दी स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की सलाह

टीम एक्शन इंडिया

नोएडा। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 31 अक्टूबर को 117 था, जो 1 नवंबर को बढ़कर 261 और 2 नवंबर को 324 पर पहुंच गया। यह फरवरी के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 2 नवंबर 2026 को पूरे एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का दूसरा चरण लागू कर दिया। आने वाले त्योहारों के दौरान वायु प्रदूषण की समस्या और बढ़ने की आशंका रहती है। बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं, अस्थमा या दिल की बीमारी से पीड़ित लोगों और बाहर काम करने वाले लोगों को इससे विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। वर्तमान हालात को देखते हुए भारत की प्रमुख स्वतंत्र स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम के परिवारों से समय रहते जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है। कंपनी ने क्षेत्र में वर्चुअल डॉक्टर परामर्श, मार्गदर्शन और घर पर इलाज की सुविधाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं।

कुंभ में संस्कृत के साइन बोर्ड और स्लोगन लगाने की तैयारी

दिशा-सूचक

कुंभ क्षेत्र में सूचना पट्ट, दिशा-सूचक बोर्ड और विभिन्न स्लोगन संस्कृत भाषा में लिखने का प्रयास किया जाएगा

टीम एक्शन इंडिया

चंपावत। आगामी हरिद्वार कुंभ मेले में संस्कृत भाषा को विशेष पहचान दिलाने की पहल की जा रही है। कुंभ क्षेत्र में सूचना पट्ट, दिशा-सूचक बोर्ड और विभिन्न स्लोगन संस्कृत भाषा में लिखने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही कुंभ में संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी काम किया जाएगा। यह जानकारी संस्कृत संस्थानम् के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री डॉ. नवीन चंद्र पंत ने टनकपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान दी। एक दिवसीय चम्पावत दौरे पर टनकपुर पहुंचे राज्य मंत्री डॉ. पंत का भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मीडिया से बातचीत में डॉ. पंत ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान, संस्कृति और परंपरा की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए जरूरी है कि इसे धार्मिक और शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर सार्वजनिक जीवन में भी अधिकाधिक स्थान दिया जाए। नई पीढ़ी को संस्कृत से जोड़ने के साथ ही इसके व्यावहारिक प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि हरिद्वार कुंभ देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। ऐसे आयोजन में संस्कृत भाषा का उपयोग भारतीय सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। इसी उद्देश्य से कुंभ क्षेत्र में संस्कृत भाषा के सूचना पट्ट, साइन बोर्ड और स्लोगन तैयार कराने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।



रायपुर में छत्तीसगढ़ के निर्यातकों के लिए एफटीए कार्यशाला का आयोजन

समावेशी

रायपुर में मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया

रायपुरः भारत सरकार के वाणिज्य विभाग द्वारा तथा छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग विभाग के सहयोग से दिनांक 12 नवंबर, 2026 को प्रातः 10:30 बजे से होटल बेबीलोन इंटरनेशनल, वीआईपी रोड, रायपुर में मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य

छत्तीसगढ़ के वर्तमान एवं संभावित निर्यातकों को भारत के विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत उपलब्ध व्यापारिक अवसरों से अवगत कराना तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी निर्यात संभावनाओं का विस्तार करने हेतु प्रोत्साहित करना है।

यूनाइटेड किंगडम , ओमान, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (वअए), ऑस्ट्रेलिया जैसे उभरते व्यापारिक अवसरों की जानकारी प्रदान करना भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत भारतीय उत्पादों को कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में शून्य अथवा रियायती आयात शुल्क का लाभ प्राप्त हो सकता है। इस कार्यशाला के माध्यम से निर्यातकों को विशेष रूप से यूनाइटेड किंगडम, ओमान, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में उपलब्ध एवं उभरते व्यापारिक अवसरों की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में भारत सरकार के वाणिज्य विभाग, भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन तथा छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति अपेक्षित है। कार्यशाला में क्षेत्र-विशिष्ट विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के निर्यात अवसरों, संभावित निर्यात उत्पादों, उत्पत्ति के नियमों, गैर-शुल्क बाधाओं तथा मुक्त व्यापार समझौतों से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण व्यापारिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

इन सत्रों का उद्देश्य निर्यातकों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है, ताकि वे मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत उपलब्ध लाभों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें।

धामी ने विकास पुस्तिका सशक्त नेतृत्व, विकास की ऊंची उड़ान का किया विमोचन

विकास का वास्तविक अर्थ आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना : मुख्यमंत्री

टीम एक्शन इंडिया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर देहरादून के गढ़ी कैंट स्थित गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज में सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की विकास पुस्तिका-2026 सशक्त नेतृत्व, विकास की ऊंची उड़ान का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तिका राज्य की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों का दस्तावेज है। यह जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही प्रस्तुत करने के साथ भविष्य की जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। मुख्यमंत्री धामी ने राज्य आंदोलन के बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उत्तराखंड का निर्माण जनता के लंबे संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। राज्य निर्माण में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पृथक उत्तराखंड राज्य का सपना साकार हुआ। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य को समृद्ध और विकसित बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल योजनाओं और आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका प्रभाव आम नागरिकों के जीवन में दिखाई देना चाहिए। गांवों तक सड़क पहुंचने से स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता बेहतर होती है, विद्यालयों में सुविधाओं के विस्तार से बच्चों को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने से पलायन की समस्या का समाधान होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में आधारभूत ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है। चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना विकास को गति दे रही हैं। हवाई और हेली सेवाओं के विस्तार से दूरस्थ क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होने के साथ पर्यटन, व्यापार और रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। सरकार वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी सुधार के प्रयास कर रही है। प्रत्येक जनपद में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य के साथ काम किया जा रहा है। देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर में विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार तथा किच्छा में एम्स के सैटेलाइट सेंटर के विकास से स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी। विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।



क्लासरूम

विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है

दिवाली की रात आग की 12 घटनाओं से दहला ऊना जिला, लाखों का नुकसान

आगजनी

» मैहतपुर में ट्रक और कलोह में कबाड़ स्टोर बना आग का शिकार


फाइल फोटो

राजन पुरी

ऊना। दीपावली की रात जिला ऊना में आतिशबाजी और पटाखों के बीच आग की घटनाओं ने जमकर तबाही मचाई। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में आग लगने की 12 घटनाएं सामने आईं, जिनमें लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। हालांकि, अग्निशमन विभाग की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई के चलते करोड़ों रुपये की संपत्ति को आग की भेंट चढ़ने से बचा लिया गया। आग की घटनाओं में मैहतपुर में ट्रक, कलोह में कबाड़ का स्टोर, लालसिंगी में प्रवासी मजदूरों की ुग्गियां और बंगाणा क्षेत्र में पशुशाला सहित कई स्थानों पर नुकसान हुआ। इसके अलावा कई गांवों में घास के कुनुओं और पराली में भी आग लग गई।

जानकारी के अनुसार दीपावली की रात सबसे %यादा नुकसान मैहतपुर में ट्रक में आग लगने से हुआ। यहां खड़े एक ट्रक में अचानक आग भड़क गई। आग ने देखते ही देखते ट्रक की कैबिन और उसमें लोड सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में ट्रक की केबिन और उसमें लोड सामान जलने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ। इसी तरह कलोह में कबाड़ के स्टोर में आग लगने से वहां रखा सामान जलकर राख हो गया। आग तेजी से फैलने के कारण कबाड़ स्टोर में काफी नुकसान हुआ। लालसिंगी क्षेत्र में भी आग ने प्रवासी मजदूरों को प्रभावित किया। यहां मजदूरों की दो ुग्गियां आग की चपेट में आ गईं और देखते ही देखते जलकर राख हो गईं। ुग्गियों में रखा घरेलू सामान भी आग की भेंट चढ़ गया। दीपावली की रात ग्रामीण क्षेत्रों में भी आग की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ाई। कई स्थानों पर खेतों और रिहायशी इलाकों के समीप रखे घास के कुनुओं में आग लग गई। चलोला, ऊना, नंगड़ा, रायपुर सहोड़ां, धर्मपुर और घेवट बेहड़ में घास के कुनुओं को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। वहीं, ालेड़ा में पराली में आग लगने से नुकसान हुआ। इन घटनाओं के कारण किसानों और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान ोलना पड़ा।

पिरथीपुर में ग्रामीणों को बताई बैंक की योजनाएं

राजन पुरी

ऊना। ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेनदेन और वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत पिरथीपुर में वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। नाबार्ड और कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक की दौलतपुर चौक शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर में कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक की ग्रेड-3 शिखा और सहायक अंशुल डडवाल ने ग्रामीणों को बैंक की विभिन्न सेवाओं से अवगत करवाया। उन्होंने सरकारी योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता और मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए लोगों को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

संवैधानिक व्यवस्थाओं के खिलाफ प्रदर्शन लोकतंत्र की खूबसूरती और शिक्षकों का प्रदर्शन अराजकता कैसे : जयराम ठाकुर

मापदंड

» व्यवस्था परिवर्तन वाली सुक्खू सरकार के दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे

चमन शर्मा

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं, रोड शो निकालते हैं तो उसे लोकतंत्र की खूबसूरती कहते हैं। उनके पार्टी प्रभारी और मंत्रियों की उपस्थिति में चुनाव आयोग की संपत्ति क्षतिग्रस्त की जाती है, चुनाव आयोग को चोर आयोग लिखा जाता है तो उस पर खामोश रहकर समर्थन देते हैं। चुनाव आयोग के कार्यालय में आग लगाने की धमकी जब उनके कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाती है तो उसे वह संरक्षण देते हैं। लेकिन जब शिक्षकों द्वारा अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन करने का अंदेशा सरकार को होता है तो वह प्रदर्शन पर रोक लगाने का फरमान जारी कर देती है। चुनाव आयोग द्वारा करवाए गए चुनाव में सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बनते हैं, उसी चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन को लोकतंत्र की खूबसूरती बताते हैं और सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे न किए जाने पर शिक्षकों द्वारा अपने हक के लिए प्रदर्शन करने पर रोक लगाते हैं। व्यवस्था परिवर्तन वाली सुक्खू सरकार के ये दोहरे मापदंड अब नहीं चल सकते।

जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस



तरह से ूठी गारंटियों और वादों के नाम पर वोट चोरी करके कांग्रेस ने हिमाचल में सरकार बनाई है, आने वाले दिनों में प्रदेश का हर वर्ग सरकार के खिलाफ होगा। सरकार को अपनी नाकामी का पूरा एहसास है, इसीलिए मुख्यमंत्री इस तरह के फैसले ले रहे हैं कि प्रदर्शन की आशंका होते ही उस पर रोक लगाने का फरमान जारी कर देते हैं। मुख्यमंत्री इस बात का ध्यान रखें कि उनकी तानाशाही अब चलने वाली नहीं है।

टीजीटी भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए खुशखबरी

राजन पुरी

ऊना। सरकारी शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए ज्ञानम कॉलेज ऑफ कॉम्पिटिशन्स ऊना एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। संस्थान में टीजीटी आर्ट्स, टीजीटी मेडिकल और टीजीटी नॉन-मेडिकल के नए बैच 16 नवंबर से शुरू होने जा रहे हैं।

खास बात यह है कि दिवाली के पावन अवसर पर संस्थान की ओर से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को फीस में 15 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जा रही है। इस विशेष ऑफर का लाभ 20 नवंबर तक ही उठाया जा सकेगा। संस्थान की निदेशक डॉ. निमेषिका ने बताया कि टीजीटी भर्ती परीक्षाओं की बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्टीक मार्गदर्शन और सुनियोजित तैयारी उपलब्ध करवाना संस्थान की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से तीनों संकायों के नए बैच शुरू किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को अनुभवी एवं विषय विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा कक्षाएं, परीक्षा के अनुरूप अध्ययन सामग्री, नियमित टेस्ट सीरीज, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास और व्यक्तिगत मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ज्ञानम कॉलेज की एक विशेष पहल यह भी है कि अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन कोर्सों के लिए ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

इससे प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों पर रहने वाले युवा भी घर बैठे विशेषज्ञ अध्यापकों से जुड़कर अपनी तैयारी को नई दिशा दे सकेंगे। इस प्रकार विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं। संस्थान में टीजीटी के अलावा हिमाचल प्रदेश पुलिस कांस्टेबल, जेओए (आईटी), पटवारी, पंचायत सचिव, अग्निवीर, वन रक्षक, टेट, भाषा अध्यापक, बैंकिंग, एसएसी-सीजीएल और एसएससी-जीडी सहित विभिन्न प्रतियोगी एवं भर्ती परीक्षाओं की तैयारी भी करवाई जाती है।

केंद्र के पैसे से अपनी राजनीति चमका रहे मुख्यमंत्री सुक्खू : त्रिलोक कपूर

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से प्राप्त धनराशि को बांटकर अपनी उपलब्धियां गिनाने में व्यस्त हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों के योगदान का उल्लेख तक नहीं करते।

कपूर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू पर 'माल महाराज का, मिर्जा खेले होली' की कहावत पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के सहयोग से चल रही विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का श्रेय मुख्यमंत्री स्वयं लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने राजस्थान से 15.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली बेचने के सम ौते से चार महीने में 400 करोड़ रुपये की अनुमानित आमदनी के दावे पर भी सवाल उठाए। कपूर ने कहा कि मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रदेश की वास्तविक आर्थिक स्थिति क्या है, बिजली बेचने से कितनी शुद्ध आय होगी और इस राशि का उपयोग किन कार्यों में किया जाएगा। कपूर ने कहा कि चुराह में 60.67 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणाओं के साथ मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि इनमें केंद्र और राज्य सरकार की वित्तीय हिस्सेदारी कितनी है। प्रदेश की जनता को योजनाओं के वित्तपोषण की वास्तविक जानकारी मिलनी चाहिए। त्रिलोक कपूर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाएं आज स्वयं वेंटिलेटर पर पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि कृष्णा डायग्नोस्टिक्स द्वारा सरकारी अस्पतालों में प्रदान की जाने वाली नि:शुल्क जांच सेवाएं भुगतान विवाद के कारण प्रभावित हुई हैं। लगभग 110 करोड़ रुपये की कथित लंबित देनदारी पर सरकार को तत्काल स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

बीबीएमबी से जुड़े बकाया बिजली हिस्से के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसले बड़ी जीत : अरुणा महाजन

चमन शर्मा

शिमला। बीबीएमबी से जुड़े बकाया बिजली हिस्से के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सक्षम गुड़िया बोर्ड की उपाध्यक्ष अरुणा महाजन ने हिमाचल की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से प्रदेश को हर साल करीब 600 से 1000 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ होगा। महाजन ने इसका श्रेय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की मजबूत पैरवी और कानूनी रणनीति को दिया। साथ ही उन्होंने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर निशाना साधते हुए पूछा कि भाजपा सरकार के पांच साल के कार्यकाल में इन मुद्दों को हल करने के लिए क्या प्रयास किए गए।



महाजन ने कहा कि बीबीएमबी मामले में हिमाचल प्रदेश का 7.19 प्रतिशत बिजली हिस्सेदारी का अधिकार पहले से तय था, लेकिन पिछले 30 से 40 वर्षों के बकाया हिस्से का मामला लंबे समय से विवादित था।

वर्ष 1996 में इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया गया था और 2011 में प्रदेश को 7.19 प्रतिशत बिजली हिस्सेदारी का लाभ मिलना शुरू हुआ। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बकाया बिजली हिस्सेदारी का रास्ता साफ हुआ है।

महाजन के मुताबिक, हिमाचल को कुल 11,975 मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी। इस बिजली को बेचकर प्रदेश को सालाना करीब 600 से 1000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने सुप्रीम कोर्ट में प्रदेश का पक्ष मजबूती से रखने के लिए देश के बड़े वकीलों की सेवाएं लीं और केंद्र सरकार के स्तर पर भी लगातार पैरवी की। इसका परिणाम अब सामने आया है उन्होंने कहा की

किशाऊ बांध परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने हिमाचल के हितों को ध्यान में रखते हुए बिजली उत्पादन से जुड़े वित्तीय बो ा को प्रदेश पर डालने का विरोध किया। केंद्र सरकार के साथ बातचीत के बाद बिजली परियोजना में हिमाचल के हिस्से का खर्च पांच सा ादार राज्यों में बांटने पर सहमति बनी है।

इससे हिमाचल को करीब 3 से 4 हजार करोड़ रुपये के संभावित खर्च से राहत मिली है।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने ली शपथ

राजन पुरी

ऊना। तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत स्वास्थ्य विभा की ओर से अधिकारियों और कर्मचारियों को तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय ऊना में सीएमओ डॉ. संजीव कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तंबाकू का सेवन नहीं करने और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. संजीव कुमार वर्मा ने कहा कि तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इससे मुंह और फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग तथा सांस संबंधी कई गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को तंबाकू और इससे बने उत्पादों के सेवन से दूर रखना अभियान की प्रमुख प्राथमिकता है।

इसके लिए युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली और अच्छी आदतों को बढ़ावा देना जरूरी है। इस दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुखदीप सिंह सिद्धू, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पुष्पिंदर राणा, डॉ. विशाल ठाकुर, जन शिक्षा एवं सूचना अधिकारी गोपाल कृष्ण, अधीक्षक केवल कृष्ण सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीसी जतिन ने परिवार सहित प्रवासी बच्चों संग मनाई दिवाली की खुशियां



राजन पुरी

ऊना। उपायुक्त जतिन लाल शनिवार को परिवार सहित ईसपुर की शिक्षा सुधार समिति द्वारा नौण मंदिर परिसर में आयोजित दीपावली उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने समिति के गैर-आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों में पढ़ने वाले प्रवासी परिवारों के बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां सा ा कीं।

इस अवसर पर बच्चों ने गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उपायुक्त के साथ उनकी माता कमलेश लाल, धर्मपत्नी डॉ. रेणु सहरावत और बेटा विहान भी मौजूद रहे।

बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए जतिन लाल ने कहा कि हर बच्चे में प्रतिभा होती है और उसे निखारने के लिए उचित अवसर व प्रोत्साहन मिलना जरूरी है। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सहायक होती हैं। इस दौरान उपायुक्त ने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली। समारोह में शिक्षा सुधार समिति की ओर से गैर-आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों के बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। समिति के संस्थापक ओपी डोगरा ने बच्चों की शिक्षा एवं प्रोत्साहन के लिए 1 लाख 25 हजार रुपये की राशि भेंट की।

समिति के महासचिव सुच्चा सिंह कंग ने उपायुक्त एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि समिति जरूरतमंद और प्रवासी परिवारों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से गैर-आवासीय प्रशिक्षण केंद्र संचालित कर रही है।

उन्होंने इस कार्य में समाज के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर सतीश शर्मा, मोहन सिंह जसवाल, सरवन कुमार खट्टा, अश्वनी, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शिव कुमार, कैप्टन हरमेश, रामकृष्ण भट्टी, सुरेश कुमार और तारा सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

दीपावली की रात बदोली में थार गाड़ी से कुचलकर पति-पत्नी की हत्या, दो घायल

राजन पुरी

ऊना। दीपावली की रात जब लोग घरों में खुशियों के दीप जला रहे थे, उसी दौरान जिला ऊना के बदोली गांव में खूनी संघर्ष ने दो परिवारों की खुशियां मातम में बदल दीं। पटाखे चलाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक ाड़प में तब्दील हो गया। दो पक्षों के बीच हुई इस घटना में एक दंपती की जान चली गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान 43 वर्षीय ओंकार सिंह और उनकी 42 वर्षीय धर्मपत्नी वीना देवी निवासी बदोली के रूप में हुई है। एक पक्ष ने दराट से हमला करने के आरोप लगाए हैं, तो दूसरे पक्ष ने थार गाड़ी से परिवार के सदस्यों को कुचलने का आरोप लगाया है।



घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर क्रॉस केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में 62 वर्षीय अजमेर सिंह निवासी बदोली ने बताया कि दीपावली के अवसर पर उनका परिवार घर के बाहर पटाखे चलाकर त्योहार मना रहा था। इसी दौरान उनके मोहगे के जरनैल सिंह उर्फ जैला और उसका बेटा केशव थार गाड़ी में उनके घर के गेट के बाहर पहुंचे। शिकायतकर्ता के अनुसार उस समय उनका बेटा ओंकार सिंह, बहू वीना देवी और पत्नी सुषमा सहित परिवार के अन्य सदस्य वहां मौजूद थे। आरोप है कि जरनैल सिंह और उसके बेटे केशव ने परिवार को जान से मारने की धमकियां दीं और जरनैल सिंह ने तेज रफ्तार से थार गाड़ी उनके परिवार के सदस्यों पर चढ़ा दी। अजमेर सिंह के अनुसार गाड़ी की चपेट में आने से उनका बेटा ओंकार, बहू वीना, पत्नी सुषमा और वह स्वयं घायल हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि गाड़ी चालक ने दोबारा वाहन को घुमाकर कई बार परिवार के सदस्यों को कुचलने का प्रयास किया। इसके बाद परिवार के सदस्य घायल अवस्था में क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने ओंकार सिंह और उसकी पत्नी वीना देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से 15 वर्षीय केशव ठाकुर ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसके परिवार और पड़ोसी ओंकार सिंह के परिवार के बीच पुरानी रंजिश चल रही है।

हरोली में 24 साल में कितने उद्योग लाए, डिप्टी सीएम जनता को दें जवाब : अजय जोशी

राजन पुरी

ऊना। भाजपा नेता अजय जोशी ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं हरोली के विधायक मुकेश अग्निहोत्री पर निशाना साधते हुए उनके करीब 23-24 वर्षों के राजनीतिक कार्यकाल में क्षेत्र में स्थापित करवाए गए नए उद्योगों का हिसाब मांगा है।

उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक हरोली का प्रतिनिधित्व करने के बावजूद क्षेत्र में कितने नए उद्योग स्थापित हुए और उनसे स्थानीय युवाओं को कितना रोजगार मिला, इसका जवाब जनता के सामने रखा जाना चाहिए। जारी ब्यान में अजय जोशी ने आरोप लगाया कि हरोली में



विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर तस्वीर अलग नजर आती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उद्योग स्थापित होने के बावजूद स्थानीय युवाओं को पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। रोजगार की तलाश में युवा भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि क्षेत्र में औद्योगिक विकास हुआ है, तो उसका लाभ स्थानीय युवाओं तक क्यों नहीं पहुंच रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास का वास्तविक पैमाना वहां के युवाओं को मिलने वाले रोजगार और लोगों के जीवन स्तर में होने वाला सुधार होता है। ऐसे में हरोली में स्थापित उद्योगों में स्थानीय युवाओं की भागीदारी और उन्हें मिले रोजगार का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं।

राजकीय महाविद्यालय, सलूणी, में विकसित भारत युवा संवाद : अपने मत को जानें कार्यक्रम का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया

चंबा। मेरा युवा भारत चम्बा, हिमाचल प्रदेश द्वारा राजकीय महाविद्यालय, सलूणी, जिला चम्बा में विकसित भारत युवा संवाद : अपने मत को जानें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया तथा एक जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपने मताधिकार के महत्व को सम ाने तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

'आर जमना पार पलीता-दिवाली रा दवालठा हामें भी दिता' के नारों से गुंजाएमान हुई क्योंथल घाटी

चमन शर्मा

शिमला। 'आर जमना पार पलीता, दिवाली रा दवालठा हामें भी दिता' के पारंपरिक नारों से क्योंथल क्षेत्र के गांव गुंजायमान हुए। गौरतलब है कि तत्कालीन क्योंथल रियासत में दिवाली की रात प्रत्येक गांव के देवस्थान में मक्की के टांडे जलाकर दवालठा देने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। घरों में दीपमाला सजाने के उपरांत ग्रामीण देवस्थान में एकत्रित होकर मक्की के टांडों का अलाव जलाते हैं, जिसे स्थानीय बोली में दवालठा कहा जाता है। इस दौरान चावल और अखरोट अग्निदेवता को अर्पित किए जाते हैं। जुग्गा के कजेवड़ा गांव में अगली सुबह अर्थात पड़वा के दवालठा की बुझी हुई अग्नि पर खिचड़ी और दही का भोग लगाया जाता है।





देवता के बजीर एवं वरिष्ठ नागरिक दौलत राम मेहता, पूर्व प्रधान दयाराम वर्मा तथा जुग्गा के दुर्गा सिंह ठाकुर सहित अन्य स्थानीय लोगों ने बताया कि दवालठा जलाने के उपरांत देवस्थान में पीठासीन देवता देव जुग्गा के नाम पर जागरण किया जाता है। इसके लिए रातभर बैठने की व्यवस्था की जाती है तथा मोटी-मोटी लकड़ियां जलाकर अलाव तैयार किया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में घैना कहा जाता है। दौलत राम मेहता ने बताया कि देवता जुग्गा के देवठी स्थित मंदिर में हर वर्ष घैना लगाकर जागरण और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। अगले दिन लोग देवता के गुर से क्षेत्र की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया कि क्योंथल क्षेत्र में देवता जुग्गा के 22 टीकों के मंदिर गांव-गांव में मौजूद हैं, जहां दिवाली से लेकर भैयादूज तक पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार घैना लगाया जाता है। कई गांवों में लोगों के मनोरंजन के लिए करियाला अथवा नाटक का आयोजन भी किया जाता है। अधिकांश गांवों में लोग रातभर घैना के पास बैठकर धार्मिक आस्था के साथ-साथ हंसी-मजाक और हास्य-विनोद का आनंद लेते हैं। यह परंपरा पर्व को सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक बनाती है।

दिवाली के अवसर पर लोगों ने अपने घरों और मंदिरों में दीपमाला सजाई तथा पारंपरिक पहाड़ी पकवान पटांडे और खीर बनाकर पर्व की खुशियां मनाईं। इससे एक दिन पूर्व छोटी दिवाली पर घरों में अस्कलियां तैयार की गईं, जबकि धनतेरस पर मूड़ी बनाने की परंपरा निभाई गई।

वरिष्ठ नागरिकों के अनुसार, क्योंथल क्षेत्र में दिवाली को पांच दिवसीय पर्व के रूप में मनाने की परंपरा है।

कांग्रेस को लोकतंत्र की नहीं, अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने की चिंता : बिंदल

राजन पुरी

ऊना। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस पर लोकतंत्र के नाम पर देश की जनता को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया है।

माता चिंतपूर्णी में आयोजित भाजपा आईटी सेल की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित करते हुए डा. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस लगातार लोकतंत्र खतरे में होने का प्रचार कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि आने वाले समय में कांग्रेस की विपक्ष की कुर्सी



ही खतरे में पड़ने वाली है। देश की जनता कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को सम ा चुकी है और उसे लगातार नकार रही है। डॉ. बिंदल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि होता है और प्रत्येक राजनीतिक दल को उसका सम्मान करना चाहिए। चुनाव में हार मिलने पर आत्ममंथन करने के बजाय कांग्रेस ईवीएम और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाकर अपनी राजनीतिक विफलताओं का ठीकरा दूसरों पर फोड़ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनावी पराजय से निराश होकर देश की संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि करीब 140 करोड़ देशवासियों के सामने कांग्रेस की राजनीतिक मंशा उजागर हो चुकी है।

चुनावी साल में 'गारंटी' का ढिंढोरा बंद करें सरकार, महिलाओं को तुरंत दे 90 हजार का बकाया: पवन काजल

टीम एक्शन इंडिया

कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक पवन काजल ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कांग्रेस की चुनावी गारंटियों को महज सियासी छलावा करार दिया है। उन्होंने कहा कि चुनावी वर्ष आते ही मुख्यमंत्री महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह देने का प्रचार करने में जुट गए हैं, जबकि हकीकत यह है कि सरकार को महिलाओं के खाते में पिछले चार वर्षों का बकाया 90 हजार रुपये तुरंत एकमुश्त जमा करवाना चाहिए।



काजल सोमवार को खोली पंचायत के वार्ड चार में आयोजित 'आपका विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में हर महीने 1500 रुपये, सालाना एक लाख पक्की सरकारी नौकरियां और 300 यूनिट मुफ्त बिजली के बड़े-बड़े वादे कर सत्ता तो हथिया ली, लेकिन अब जनता के सामने कांग्रेस की कथनी और करनी का फर्क पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। युवाओं के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों में मेरिट की धज्जियां उड़ाकर चहेतों और मित्रों को पिछले दरवाजे से अस्थाई नौकरियों पर रखकर प्रदेश के बेरोजगारों को ठगा जा रहा है। इसके विपरीत, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निवीरों के कार्यकाल को छह साल बढ़ाने और सेना में नियमित करने की दिशा में ठोस कदम उठाकर युवाओं को वास्तविक राहत दी है।

काजल ने विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों का ब्योरा देते हुए कहा कि खोली पंचायत में विधायक प्राथमिकता योजना के तहत साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है। साढ़े तीन किलोमीटर लंबी और तीन इंच की पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिसके पूरा होते ही ग्रामीणों की पेयजल किल्लत हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने इस पंचायत में 38 विद्युत मोटर चालित हैंडपंप लगवाकर पानी के संकट को दूर किया है। धर्मशाला में होने वाले आगामी शीतकालीन सत्र का रुख साफ करते हुए काजल ने चेतावनी दी कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं और कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में ठप पड़े विकास कार्यों पर विधानसभा के भीतर सरकार से कड़े सवाल पूछे जाएंगे

विपिन सिंह परमार ने कार्यकर्ताओं संग मनाई दीपावली

पालमपुर। सुलह विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक विपिन सिंह परमार ने दीपावली का पावन पर्व अपने निवास स्थान पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और उनके साथ पर्व की खुशियाँ सा ा कीं।

इससे पूर्व उन्होंने सुलह विधानसभा क्षेत्र के भवारना स्थित मनसिम्बल के विश्वकर्मा मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। विपिन सिंह परमार ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है।

धौलाधार प्रेस क्लब ने किया नवनियुक्त डीपीआरओ अनिल धीमान का स्वागत

प्रतियोगिता

पत्रकारों से किया परिचय, बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर हुई चर्चा



टीम एक्शन इंडिया

धर्मशाला। जिला एवं लोक संपर्क विभाग की ओर से नवनियुक्त जिला लोक संपर्क अधिकारी के कार्यभार संभालने पर परिचय बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर धौलाधार प्रेस क्लब धर्मशाला की ओर से नवनियुक्त जिला लोक संपर्क अधिकारी (डीपीआरओ) अनिल कुमार धीमान का धर्मशाला में स्वागत किया गया। इस दौरान क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं और पत्रकारों से उनका परिचय करवाया। इस अवसर पर क्लब के महासचिव नीरज व्यास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सन्नी महाजन, संयुक्त सचिव नरेन कुमार, राजेंद्र डोगरा, राघव गुलेरिया, प्रियंका, नितिन सहित धर्मशाला प्रेस के सदस्य मौजूद रहे। पत्रकारों ने अनिल कुमार धीमान के साथ संवाद करते हुए जिले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की गतिविधियों और मीडिया के साथ बेहतर समन्वय को लेकर चर्चा की। गौरतलब है कि अनिल कुमार धीमान ने शनिवार सात नम्बवर को धर्मशाला स्थित जिला लोक संपर्क अधिकारी कार्यालय में कार्यभार संभाला है। इससे पहले वह कुल्लू में जिला लोक संपर्क अधिकारी के पद पर सेवाएं दे रहे थे। इसके अलावा पालमपुर और देहरा में सहायक लोक संपर्क अधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

दलाई लामा के बाद तिब्बत के भविष्य की राह: धर्मशाला की तैयारी और उम्मीद भरी दृष्टि

टीम एक्शन इंडिया

कांगड़ा। पिछले छह दशकों से अधिक समय से दलाई लामा निर्वासित तिब्बती समुदाय के आध्यात्मिक मार्गदर्शक और सांस्कृतिक पहचान के मुख्य केंद्र रहे हैं। समय के प्रवाह के साथ आज स्वाभाविक रूप से यह विचार सामने आ रहा है कि आने वाले समय में तिब्बती समाज और उसके आंदोलन को किस तरह नई दिशा मिलेगी। धर्मशाला स्थित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के सूचना और अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के सचिव कर्मा रिनचेन का मानना है कि यह यात्रा अब किसी एक व्यक्ति तक सीमित न रहकर एक लोकतांत्रिक और संगठित संस्थागत प्रयास के रूप में आगे बढ़ रही है। दलाई लामा ने भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए साल 2011 में ही अपने राजनीतिक अधिकार लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंप दिए थे। धर्मशाला की निर्वासित संसद और चुनी हुई सरकार आज दुनिया भर में बसे तिब्बतियों के सामूहिक हितों और सांस्कृतिक पहचान को सहेजने का कार्य कर रही है। हालांकि, आध्यात्मिक उत्तराधिकार यानी 15वें दलाई लामा की मान्यता को लेकर वैचारिक मतभेद भी मौजूद हैं। दलाई लामा ने यह स्पष्ट किया है कि पुनर्जन्म से जुड़े निर्णय उनकी परंपरा और गादेन फोडरंग ट्रस्ट के माध्यम से लिए जाएंगे, जबकि बीजिंग की अपनी औपचारिक प्रक्रियाएं हैं। तिब्बती समुदाय इसे पूरी तरह आस्था और धार्मिक परंपरा का विषय मानता है और उम्मीद करता है कि इन सांस्कृतिक मान्यताओं का सम्मान बना रहेगा। इस पूरी मानवीय यात्रा में भारत की भूमिका अत्यंत आत्मीय और स्थायी रही है। 1959 से लेकर अब तक भारत ने न केवल शरण दी, बल्कि तिब्बती परंपराओं, विद्यालयों और मठों को फलने-फूलने का सुरक्षित वातावरण भी प्रदान किया। आज इन मठों में भारत के हिमालयी क्षेत्रों जैसे लद्दाख, स्पीति, किन्नौर और अरुणाचल प्रदेश के युवा भिक्षु भी शामिल होकर इस सा ी बौद्ध विरासत को जीवंत बनाए हुए हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर टोबा में स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुर, जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में जिला योजना एवं जनजातीय विकास विभाग के तत्वावधान में आयुष विभाग द्वारा ग्राम पंचायत टोबा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए बताया कि जिला योजना अधिकारी अनुज ठाकुर ने बताया कि जनजातीय क्षेत्रों में जन कल्याणकारी गतिविधियों और विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में 100 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

बिलासपुर में लोक अदालत का आयोजन 12 दिसम्बर को

टीम एक्शन इंडिया

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुर, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण बिलासपुर के सचिव प्रतीक गुप्ता ने जानकारी दी कि बिलासपुर जिला के विभिन्न न्यायालय परिसरों में आगामी 12 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। यह लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर बिलासपुर, घुमारवीं तथा ंडूता न्यायालय परिसरों में एक साथ आयोजित होगी।

उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व मुकद्दमेबाजी और लंबित मामलों को लिया जाएगा। इनमें बैंक से संबंधित विवाद, श्रम विवाद, बिजली एवं पानी के बिल, वैवाहिक विवाद तथा मोटर वाहन चालान से जुड़े मामले शामिल रहेंगे। मोटर व्हीकल चालान के मामलों को ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से डिजिटल रूप से अथवा न्यायालय में आकर लोक अदालत से पूर्व भी निपटाया जा सकता है। सचिव ने बताया कि जिन व्यक्तियों के उपरोक्त श्रेणियों में मामले न्यायालय में लंबित हैं, वे अपने मामलों को लोक अदालत में लगवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कोई भी इच्छुक व्यक्ति जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन नहीं है, वह भी आवेदन प्रस्तुत कर आपसी सम ौते के आधार पर विवाद निपटान हेतु लोक अदालत में अपना मामला लगवा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान के तहत मंडी में होंगे आठ खेलों के मुकाबले

टीम एक्शन इंडिया

मंडी। उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में सोमवार को उपायुक्त कार्यालय के वीसी कक्ष में खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग द्वारा 'खेल अपनाओ-नशा भगाओ' थीम के तहत युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक खेल गतिविधियों में लगाकर उन्हें नशे से दूर रखना तथा हिमाचल प्रदेश को चिट्टा मुक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए आठ खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, कुश्ती, हॉकी, रस्साकशी और बैडमिंटन शामिल हैं। उपायुक्त ने सभी उपमंडलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आगामी पांच दिनों के भीतर बैठकें आयोजित कर गेम्स मैनेजमेंट सिस्टम (जीएमएस) पोर्टल के माध्यम से खिलाड़ियों एवं टीमों का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के तहत पंजीकरण पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी उपमंडलों में 15 दिसंबर तक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाए। ब्लॉक एवं उपमंडल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के बाद चयनित खिलाड़ियों के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता मंडी के पड्डल मैदान में होगी। उपायुक्त ने प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए संबंधित खेल संघों के सहयोग से योग्य रेफरी एवं अंपायर नियुक्त करने तथा तकनीकी समितियों को सक्रिय करने पर भी बल दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं उपमंडल स्तरीय समितियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल खेल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, उनमें खेल भावना विकसित करने और स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती, सभी उपमंडलों के उपमंडलाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नड्डा से दीपावली की शुभकामनाएं देने विजयपुर उमड़ा जनसैलाब, जननेता से मिलने को दिखा भारी उत्साह



टीम एक्शन इंडिया

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के विजयपुर स्थित आवास पर दीपावली मिलन समारोह में जनसैलाब उमड़ पड़ा। 7 और 8 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय समारोह में हजारों लोगों ने नड्डा से मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। नड्डा ने सभी से आत्मीयता के साथ मिलकर कुशलक्षेम जाना और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर डॉ. मल्लिका भी विशेष रूप से अतिथियों से मिलती रहीं। विधायक त्रिलोक जमवाल, जे.आर. कटवाल, पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग सहित अनेक जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे। नड्डा के सहज और मिलनसार व्यक्तित्व ने समारोह को यादगार बना दिया।

डीसी बिलासपुर किरण भड़ाना ने अपना घर यानि वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया दीवाली का त्योहार

टीम एक्शन इंडिया

कश्मीर ठाकुर



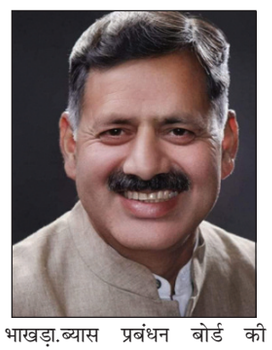
बिलासपुर, दीपावली के मद्देनजर उपायुक्त बिलासपुर किरण भड़ाना ने मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित अपना घर वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ दीपावली की खुशियां सां ा की। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों को मिठाई, फल एवं उपहार वितरित किए तथा उनका कुशलक्षेम जाना। उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनके जीवन के अनुभवों को सुना। उन्होंने कहा कि माता.पिता और बुजुर्ग परिवार एवं समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने जीवनभर परिवार और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे में हमारा नैतिक दायित्व है कि हम उनका सम्मान करें और जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें प्रेमए सुरक्षा और अपनत्व प्रदान करें। बुजुर्गों की देखभाल केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों और मानवीय मूल्यों की पहचान भी है। उन्होंने समाज के सभी लोगों से आग्रह किया कि कोई भी बुजुर्ग उपेक्षा और अकेलेपन का शिकार न हो।

उन्होंने मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा निराश्रित एवं बेसहारा बुजुर्गों को आश्रय और परिवार जैसा वातावरण उपलब्ध करवाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का सराहनीय उदाहरण है। जिला प्रशासन ऐसे जनकल्याणकारी कार्यों में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। मानव सेवा ट्रस्ट सुंदरनगर के संस्थापक एवं अध्यक्ष अधिवक्ता प्रकाश चंद बंसल ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2020 से अपना घर वृद्धाश्रम का संचालन किया जा रहा है। अब तक यहां 106 निराश्रित बुजुर्गों को आश्रय प्रदान किया जा चुका है। इनमें से 57 बुजुर्गों को परिजनों के साथ काउंसलिंग के बाद ससम्मान उनके परिवारों में वापस भेजा गया है, जबकि 10 बुजुर्गों का बीमारी एवं वृद्धावस्था के कारण निधन हो चुका है। वर्तमान में आश्रम में 25 बुजुर्ग रह रहे हैं। इनमें 15 ऐसे बुजुर्ग भी शामिल हैं, जिन्होंने लंबे समय तक सड़कों पर कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताया। आज उन्हें आश्रम में सुरक्षित आश्रय और परिवार जैसा स्नेह एवं सम्मान मिल रहा है। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी रमेश बंसल,आदि।

हिमाचल के हक और संसाधनों की रक्षा में सुक्खू सरकार ने कायम की मिसाल: राजेश धर्माणी

टीम एक्शन इंडिया

कश्मीर ठाकुर



बिलासपुर, नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षाए व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रभावी कानूनी पैरवी, अंतरराज्यीय संवाद और रणनीतिक निर्णयों के माध्यम से हिमाचल के अधिकारों एवं आर्थिक हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से प्रदेश को लंबे समय से लंबित अधिकार मिलने के साथ आय के नए स्रोत विकसित करने के अवसर भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि भाखड़ा.ब्यास प्रबंधन बोर्ड की परियोजनाओं में हिमाचल प्रदेश की 7.19 प्रतिशत बिजली हिस्सेदारी के बकाये को लेकर दशकों से विवाद चल रहा था। सर्वोच्च न्यायालय ने 6 नवंबर 2026 को निर्णय सुनाते हुए पंजाब और हरियाणा को अगले 20 वर्षों में हिमाचल प्रदेश को 11.973 मिलियन यूनिट बिजली उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत लगभग 598 मिलियन यूनिट बिजली प्रतिवर्ष दी जाएगी। न्यायालय ने 420.77 करोड़ रुपये की पूंजीगत लागत संबंधी देनदारी को भी बिजली बकाये से समायोजित करने का निर्देश दिया है। इस फैसले से प्रदेश को अतिरिक्त बिजली के उपयोग एवं बिक्री के माध्यम से राजस्व अर्जित करने का अवसर मिलेगा। धर्माणी ने कहा कि वाइल्ड फ्लावर हॉल संपत्ति विवाद में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 31 मार्च 2025 को होटल का कब्जा राज्य सरकार को वापस मिला। अब इसके 35 वर्षों के संचालन के लिए 47.1 प्रतिशत वार्षिक सकल राजस्व हिस्सेदारी की व्यवस्था की गई है, जिससे प्रदेश को दीर्घकालिक आय प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कड़छम.वांगतू जलविद्युत परियोजना में भी प्रदेश सरकार की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप रॉयल्टी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इससे प्रदेश को लगभग 150 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वार्षिक आय होने का अनुमान है। अन्य पात्र जलविद्युत परियोजनाओं में भी रॉयल्टी बढ़ने से राज्य के राजस्व में वृद्धि की संभावना है।

दीपावली पर जोगिंद्रनगर में आगजनी की दो घटनाएं, 55 हजार का नुकसान

टीम एक्शन इंडिया

संगराय



जोगिंद्रनगर दीपावली के त्योहार पर जोगिंद्रनगर उपमंडल में आगजनी की दो घटनाएं सामने आईं, जिनमें करीब 55 हजार रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। हालांकि, दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। वहीं, पटाखे चलाते समय हुए हादसों में दो लोग ुलसकर घायल हो गए। दमकल चौकी प्रभारी बंशी लाल के अनुसार रविवार दोपहर करीब दो बजे कुंशल खुद्दर गांव में राजेंद्र कुमार और कश्मीरी लाल के घर के आंगन में रखी पराली में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हादसे में करीब 25 हजार रुपये का नुकसान हुआ, जबकि पांच लाख रुपये की संपत्ति सुरक्षित बचा ली गई। वहीं, रात करीब 11:45 बजे चौंतड़ा ब्लॉक कॉलोनी में सरकारी क्वार्टर में रह रहे धर्म चंद के आवास में आग लग गई। इस घटना में करीब 30 हजार रुपये का सामान जल गया, जबकि दमकल कर्मियों ने आसपास की पांच लाख रुपये की संपत्ति को आग से बचा लिया। दीपावली की रात पटाखे चलाने के दौरान दो लोग भी घायल हुए। गुम्मा निवासी हेमराज के 13 वर्षीय पोते सपरन के हाथों में अनार फटने से दोनों हाथ घायल हो गए।

विपिन सिंह परमार ने कार्यकर्ताओं संग मनाई दीपावली, विश्वकर्मा मंदिर में की पूजा-अर्चना

पालमपुर। सुलह विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक विपिन सिंह परमार ने दीपावली का पावन पर्व अपने निवास स्थान पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और उनके साथ पर्व की खुशियाँ सा ा कीं। इससे पूर्व उन्होंने सुलह विधानसभा क्षेत्र के भवारना स्थित मनसिम्बल के विश्वकर्मा मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

जीवन की महान सच्चाई मौत है, इसे सुधारना आवश्यक है: हंसराज लोमस

टीम एक्शन इंडिया

कश्मीर ठाकुर



बिलासपुर, नगर के चंगर सेक्टर में स्थित मां दुर्गा मंदिर परिसर में चल रही श्रीशिव महापुराण कथा के अंतिम दिन प्रवचनों की अमृतवर्षा करते हुए कथावाचक आचार्य हंसराज लोमस ने कहा कि महाशिवरात्रि को यदि कोई भी जीव अनायास ही व्रत करता है तो उसे निश्चित तौर पर उसका फल मिलता है। इस अवसर पर उन्होंने शिवरात्रि की महिमा और शिव लिंगो की स्थापना पर रोचक प्रसंग सुनाते हुए बताया कि सृष्टि के आदि काल में ब्रह्मा और विष्णु आपस में युद्ध करने लगे। इस दौरान दोनों के बीच में कीर्तिमान स्तंभ के रूप में भगवान शिव शंकर प्रकट हुए। इस स्तंभ की खोज करने को ब्रह्मा हंस बनकर स्वर्ग चले गए और विष्णु भी अन्य रूप धारण कर पाताल चले गए सैकड़ों वर्षों तक इन दोनों ने वहां घोर तपस्या की लेकिन वहां पर कोई उन्हें ना आरंभ मिला और न ही आदि। फिर दोनों स्तंभ स्थान पर आ गए। पंडित हंसराज ने बताया कि इस दौरान ब्रह्मा ने ूठ कहा कि उन्होंने इसका अंत पा लिया है। इतने में स्तंभ फाड़कर महादेव शंकर प्रकट हुए और उन्होंने ब्रह्मा को ूठ बोलने पर उनका एक सिर काट दिया। षंकर का रौद्र रूप एवं क्रोध को देखकर ब्रह्मा विष्णु ने प्रार्थना की और शंकर पिंडी रूप बन गए। शंकर भगवान ने कहा कि आज का दिन शिवरात्रि से प्रख्यात होगा और लोग शिवलिंग की पूजा करेंगे। उस दिन से महाशिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है।

बिलासपुर में हर्षोल्लास से मनाया रोशनी का पर्व दीपावली

टीम एक्शन इंडिया

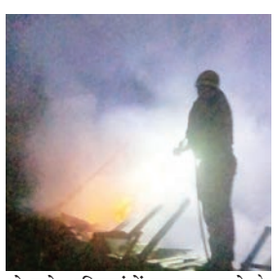
कश्मीर ठाकुर

बिलासपुर, बिलासपुर नगर में रोशनी का त्योहार यानि दीपावली पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर पूरा शहर विभिन्न रौशनियों से दुल्हन की सजा रहा। शाम के समय शहर की आभा देखते ही बन रही थी। लोगों ने दिन भर खूब खरीददारी की। मिठाई, आतिशबाजी, पटाखे, मिट्टी के दीपक, पोस्टर, गन्ने यहां तक कि फलों की दुकानों पर खूब भीड़ दिखी। शाम को सभी लोगों ने अपने अपने घरों में माता लक्ष्मी, गणेश और सरस्वती तथा अपने अराध्यों की विधिवत पूजा अर्चना की तथा खूब आतिशबाजी का आनंद लिया। लोगों ने अपने पड़ोसियों व रिश्तेदारों में मिठाई और उपहार देकर इस पर्व की परंपरा निभाई। इस दौरान युवाओं और बच्चों को इस त्योहार को लेकर खासा उत्साह दिखा। आतिशबाजी और पटाखे आदि करने के लिए जिला प्रशासन का फरमान निर्धारित समय तक था बावजूद इसके देर रात तक पटाखों की गूंजे सुनाई दी। छुटपुट घटनाओं को यदि किनारे रखा जाए तो बिलासपुर में यह त्योहार शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुआ। इस त्योहार में किसी प्रकार का खलल न हो इसके लिए पुलिस की गश्त भी नियमित रही।

दीपावली के रोज बिलासपुर में आग की छह घटनाएं

टीम एक्शन इंडिया

कश्मीर ठाकुर



बिलासपुर, दीपावली के पर्व के दौरान जिला बिलासपुर में आग लगने की कुल छह घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं में काफी नुकसान हुआ, लेकिन अग्निशमन विभाग की मुस्तैदी के चलते किसी बड़े जान.माल के नुकसान से बचाव हुआ। अग्निशमन विभाग के निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि दीपावली के दौरान विभाग के जवान पूरी रात सतर्क रहे और आग लगने की घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई की। दो बड़े अग्निकांडों पर काबू पाने के लिए विभाग की पांच से छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। दीपावली पर घरों और दुकानों में सजावटी लाइटों व लड़ियों के अधिक इस्तेमाल से बिजली का लोड बढ़ जाता है। वहीं आईएसआई मानक के अनुरूप बिजली उपकरणों का उपयोग न करने से शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है। निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने लोगों से अपील की कि वे बिजली के उपकरण हमेशा आईएसआई प्रमाणित ही इस्तेमाल करें। त्योहार की खुशियों के बीच सुरक्षा को नजरअंदाज न करें और सतर्कता बरतेंए ताकि पर्व सुरक्षित तरीके से मनाया जा सके।

मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा निकाल रही पदयात्रा :चंद्र कुमार

टीम एक्शन इंडिया

ज्वाली । प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने मोदी सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से निकाली जा रही पदयात्रा को 'ढोंग यात्रा' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पर चंदा चोरी और अन्य मामलों को लेकर उठ रहे सवालों से देश में आक्रोश है और इन मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए पदयात्रा निकाली जा रही है।



चौधरी चंद्र कुमार ने कहा कि यह भाजपा की पहली पदयात्रा नहीं है। इससे पहले भी भाजपा की ओर से विश्वास यात्रा, रथ यात्रा और विकास यात्रा जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश में मौजूदा समय में अराजकता जैसे हालात हैं और केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में किसान, मजदूर, युवा और महिलाएं परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रति वर्ष 5 करोड़ युवाओं को रोजगार देने के अपने वादे को पूरा करने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है और आम आदमी पर आर्थिक बो । बढ़ा है। किसान और मजदूर वर्ग भी विभिन्न समस्याओं से जू । रहा है। कृषि मंत्री ने राम मंदिर के चंदे को लेकर भी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के नाम पर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर लोगों में नाराजगी है। उनके अनुसार, इससे करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में देश की जनता भाजपा को इसका जवाब देगी।

प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का कार्यकाल जनहित, सेवा और विकास के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने जनता से जो गारंटियां दी थीं, उनमें से अधिकांश को पूरा किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में सरकार विकास कार्यों और चुनावी गारंटियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लेगी। चौधरी चंद्र कुमार ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार आगामी विधानसभा चुनाव में दोबारा सत्ता में आएगी।

उद्यमियों व कामगारों ने मशीनों की पूजा अर्चना करके मनाया त्यौहार

बददी। एशिया की सबसे बडी उद्योग नगरी बददी बरोटीवाला नालागढ़ में विश्वकर्मा जंयती धूमधाम से मनाई गई। यहां पर उद्यमियों व कामगारों ने विश्वकर्मा जयंती पर अपनी तमाम मशीनों की पूर्जा अर्चना की और उनको अ छी तरह साफ किया। फ्रैंडस एलायस कंपनी बरोटीवाला के महाप्रबंधक एवं लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव शर्मा ने हवन पूजा अर्चना करने के बाद कामगारों को संबोधित करते हुए कहा कि मशीनें हमारी मां के समान होती है जो हमें हमेशा देती है और लेती कुछ नहीं। अगर यह कल-कल करके चलती है तो उससे जो उत्सर्जन होता है उसी से भारत के करोडों लोग के घरों में दिए जलते हैं। आज सिर्फ मशीनें ही नहीं बलिक अपने तमाम यंत्र, वाहन, उपकरणों की पूजा करने का दिन होता है और बावा विश्वकर्मा जी को इंजीनियरिंग के जनक हैं।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय पर कांगड़ा के विधायकों की चुप्पी समझ से परे, पूर्व विधायक प्रवीन कुमार ने सुक्खू सरकार और विपक्ष को घेरा

टीम एक्शन इंडिया

कांगडा। पालमपुर के पूर्व विधायक प्रवीन कुमार ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण में हो रही देरी को लेकर राज्य सरकार और कांगड़ा जिले के विधायकों पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूर्व मुख्यमंत्री शान्ता कुमार जैसा वरिष्ठ नेता इस मुद्दे को लगातार पूरी मजबूती से उठा रहा है, तब भी कांगड़ा के बाकी एक दर्जन विधायक चुप्पी साधे क्यों बैठे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से इस मामले में तुरंत स्थिति स्पष्ट करने और ठोस कदम उठाने की मांग की है। प्रवीन कुमार ने कहा कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर धर्मशाला में बनना तय है और इसके निर्माण के लिए केन्द्र सरकार की ओर से लगभग तीन हजार करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि भी स्वीकृत हो चुकी है। इसके बावजूद इतने वर्षों से काम आगे न बढ़ना दुर्भाग्यपूर्ण है और



यह जिले के युवाओं व छात्रों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि धर्मशाला के सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अतुल भारद्वाज ने भी इसे लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है, जिस पर अदालत ने सरकार से जवाब तलब किया है। कांगड़ा की राजनीतिक चुप्पी पर नाराजगी जताते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि देहरा क्षेत्र को छोड़कर पूरे जिले के जनप्रतिनिधि आखिर किस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं। क्या विश्वविद्यालय बनवाना सिर्फ शान्ता कुमार की जिम्मेदारी है, या यह पूरे जिले के मान-सम्मान और विकास से जुड़ा सा ा सवाल है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सत्ताधारी कांग्रेस के विधायकों से तो शायद सरकार के खिलाफ बोलने की उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन भाजपा के अन्य नेता और विधायक अपनी ही पार्टी के इतने बड़े नेता की मांग पर क्यों खामोश हैं।

उन्होंने कहा कि अन्याय करने वाले से अधिक दोषी वह होता है जो अन्याय देखकर भी चुप रहता है। प्रवीन कुमार ने मुख्यमंत्री को सचेत करते हुए कहा कि अब मामला हद से बाहर हो चुका है और सरकार इसे किसी एक क्षेत्र या दल का विवाद सम ाने की भूल न करे। उन्होंने याद दिलाया कि हिमाचल में सरकार बनाने का रास्ता कांगड़ा से ही निकलता है और इतिहास गवाह है कि जिस दल को जिले की जनता ने दस से बारह विधायक दिए, वही सत्ता में पहुंचा।

उद्यमियों व कामगारों ने मशीनों की पूजा अर्चना करके मनाया त्यौहार

टीम एक्शन इंडिया

बददी। एशिया की सबसे बडी उद्योग नगरी बददी बरोटीवाला नालागढ़ में विश्वकर्मा जंयती धूमधाम से मनाई गई। यहां पर उद्यमियों व कामगारों ने विश्वकर्मा जयंती पर अपनी तमाम मशीनों की पूर्जा अर्चना की और उनको अच्छी तरह साफ किया। फ्रैंडस एलायस कंपनी बरोटीवाला के महाप्रबंधक एवं लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव शर्मा ने हवन पूजा अर्चना करने के बाद कामगारों को संबोधित करते हुए कहा कि मशीनें हमारी मां के समान होती है जो हमें हमेशा देती है और लेती कुछ नहीं। अगर यह कल-कल करके चलती है तो उससे जो उत्सर्जन होता है उसी से भारत के करोडों लोग के घरों में दिए जलते हैं। आज सिर्फ मशीनें ही नहीं बलिक अपने तमाम यंत्र, वाहन, उपकरणों की पूजा करने का दिन होता है और बावा विश्वकर्मा जी को इंजीनियरिंग के जनक हैं। उधर कलोराईड कैम इंडिया उद्योग डीआईसी बददी में भी विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई गई। कंपनी के निदेशक और लघु उद्योग संघ के सचिव अनिल मलिक ने कर्मचारियों को आज के दिन के महत्व के बारे में बताया। उन्होने कहा कि आज चाहे लघु सूक्ष्म उद्यमी हो, व्यापारी दुकानदार अथवा कोई बडा कारखाना सब मशीनों पर आधारित है और उसी से सारे उत्पाद आधुनिक तरीके से निर्मित होते हैं। उद्योग जगत के सहारे पूरे भारत की अर्थव्यवस्था और आजीविका चलती है। उसके बाद बददी की आटोमोबाईल वर्कशॉप लाज मोटर्स मारुति में भी विश्वकर्मा जयंती पर हवन और यज्ञ किया गया। कंपनी के वाईस चेयरमैन रमन कौशल व हेमंत कौशल के नेतृत्व में पूजा अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर कृष्ण कुमार कौशल, महेश कौशल, शिवकुमार कौशल, वंदना कौशल, आदि।

मार्च2027 की परीक्षाओं के लिए 2,235 परीक्षा केंद्रों ने प्रतिधारण/नवीनीकरण हेतु किया आवेदन

कांगडा। परीक्षा केंद्रों ने प्रतिधारण/नवीनीकरण हेतु आवेदन किया है, जबकि मार्च 2026 की परीक्षाओं के लिए प्रदेश में कुल 2,384 नियमित परीक्षा केंद्र निर्धारित थे। उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा मार्च 2026 की परीक्षाओंके लिए नियमित परीक्षा केंद्र के रूप में निर्धारित स्कूलों/संस्थानों से मार्च2027 की परीक्षाओं हेतु प्रतिधारण/नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस प्रक्रिया का उद्देश्य आगामी परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित करना तथा परीक्षा संचालन को सुचारू रूप से संपन्न करवाना है।

माजरा क्षेत्र में दिवाली बम से फटी टंकी, हुआ गाली गलौज, मामला दर्ज

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन माजरा क्षेत्र में बीते दिन दिवाली दौरान चल रहे एक बम से छत पर लगी पानी टंकी फटने को लेकर आपस मे हुआ गाली गलौज के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। जिले के एसपी एनएस नेगी ने बताया कि बीते दिन 08-11-2026 को पुलिस थाना माजरा में श्री रमेश कुमार पुत्र श्री बग्गा राम निवासी गाँव व डा0 पुरुवाला कांशीपुर तह0 पाँवटा साहिब जिला सिरमौर की शिकायत पर पंजीकृत थाना किया गया। ने बताया कि शिकायत के अनुसार दिनांक 08-11-26 को इसका पड़ोसी मुकेश कुमार दिवाली के बम जलाकर इसके घर की तरफ फैंक रहा था। एक पटाखा इनकी पानी



की टंकी के पास फट गया जिससे इनकी पानी की टंकी फट गई। जिस पर यह अपनी पत्नी के साथ मुकेश को सम ाने उसके घर गया। जिसके बाद मुकेश व उसका बड़ा भाई तरसेम पानी की टंकी देखने इनके घर आए। इस दौरान मुकेश ने इसके व इसकी पत्नी के साथ गाली गलोच व मारपीट की । एसपी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना माजरा में मामला दर्ज कर आगामी जांच जारी है ।

संक्षिप्त खबरें

करोड़ों के ड्रग डायवर्जन मामले में 20.10 करोड़ की संपत्तियां फ्रीज, हिमाचल में कार्रवाई का इंतजार

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन कालाअंब के फार्मा उद्योग से जुड़े कथित ड्रग डायवर्जन मामले में जांच एजेंसियों की कार्रवाई ने एक बार फिर प्रशासनिक तंत्र की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पंजाब के मोहाली क्षेत्र में करीब 20.10 करोड़ रुपये मूल्य की 25 अचल संपत्तियां फ्रीज करने की कार्रवाई की है। इसके बाद अब सवाल उठ रहा है कि इस कथित नेटवर्क से जुड़े हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक परिसरों और संपत्तियों की जांच किस स्तर पर पहुंची है? एनसीबी की जांच में कथित तौर पर सात राज्यों में फैले दवा डायवर्जन नेटवर्क का खुलासा हुआ है। एजेंसी के अनुसार, इस मामले में बड़ी मात्रा में ट्रामाडोल, कोडीन आधारित कफ सिरप और अन्य साइकोट्रोपिक दवाएं बरामद की गई हैं। जांच में डिजिटल विजन और उससे जुड़े कारोबारी नेटवर्क का नाम सामने आया है। इस मामले में पुरुषोत्तम लाल गोयल और उनके बेटों मानिक गोयल व कोनिक गोयल को लेकर जांच एजेंसियों की कार्रवाई चर्चा में है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 16 फरवरी 2026 को पुरुषोत्तम लाल गोयल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की थी। अदालत के समक्ष मामले की गंभीरता और हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता का पहलू भी आया था। लेकिन इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सवाल जांच के विस्तार को लेकर है। यदि कथित दवा डायवर्जन से करोड़ों रुपये की संपत्तियां अर्जित किए जाने की आशंका है, तो क्या हिमाचल, हरियाणा और जम्मू में संबंधित कारोबारियों की संपत्तियों, बैंक खातों और व्यावसायिक लेनदेन की भी समान गंभीरता से जांच हो रही है? एनडीपीएस एक्ट के अध्याय पांच-ए में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार से अर्जित संपत्तियों को फ्रीज और जब्त करने के प्रावधान हैं।

ऐसे में जांच एजेंसियों को यह भी देखना होगा कि संबंधित कंपनियों के वास्तविक लाभार्थी कौन हैं और उनके बीच वित्तीय लेनदेन का क्या संबंध है। एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मुख्य आरोपियों के फरार होने की स्थिति में उनसे संबंधित कारोबारी इकाइयों का वास्तविक संचालन किसके नियंत्रण में है? हालांकि किसी आरोपी के परिजन का कारोबार संचालित करना अपने आप में अपराध नहीं है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच आवश्यक है।

छोटे स्तर पर नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने वाला तंत्र करोड़ों के कथित फार्मा नेटवर्क की संपत्तियों और व्यावसायिक संबंधों की जांच में कितनी तेजी दिखा रहा है

गिरिपार में बिना कोचिंग के शौर्य तोमर ने क्रैक की NDA परीक्षा, क्षेत्र में खुशी की लहर



टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन दृढ़ संकल्प और सेल्फ स्टडी के बल पर सिरमौर जिले के गिरिपार क्षेत्र के युवाओं ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। कमरऊ गांव के निवासी शौर्य तोमर ने देश की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) परीक्षा में 380वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शौर्य की इस शानदार उपलब्धि से उनके गांव और पूरे सिरमौर जिले में खुशी का माहौल है। शौर्य की इस सफलता की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने इसके लिए किसी भी व्यावसायिक कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया। पूरी तरह से सेल्फ स्टडी, अनुशासन और अपनी मेहनत पर भरोसा रखते हुए उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। गुरु नानक मिशन पब्लिक स्कूल, पांवटा साहिब से 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले शौर्य इससे पूर्व भी दो बार NDA की लिखित परीक्षा पास कर चुके थे। असफलताओं से हताश होने के बजाय उन्होंने अपनी कमियों में सुधार किया और तीसरे प्रयास में सफलता की नई कहानी लिख दी। बचपन से ही सेना में उच्च अधिकारी बनने का सपना देखने वाले शौर्य का लक्ष्य अब भारतीय वायुसेना (IAF) में बतौर अधिकारी शामिल होकर देश की रक्षा करना है। शौर्य बताते हैं कि उन्हें देशसेवा की मुख्य प्रेरणा अपने पिता से मिली। उनके पिता प्रदीप तोमर भारतीय सेना से सेवानिवृत्त (नवंबर 2023) जवान हैं और वर्तमान में चौकी मृगवाल में कला अध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बेटे की इस स्वर्णिम सफलता पर पिता प्रदीप तोमर और माता कविता तोमर ने गहरा गर्व व्यक्त किया है। पिता ने कहा कि शौर्य की यह सफलता यह साबित करती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो तो बिना कोचिंग के भी कठिन से कठिन परीक्षा पास की जा सकती है। शौर्य की बहन आस्था तोमर, जो रोहड़ू से बी-फार्मेसी की पढ़ाई कर रही हैं,

पुरुषोत्तम गोयल के भाई राकेश गोयल से जुड़ी कंपनी का नाम वर्ष 2021 के सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज, पूर्व गतिविधियों और वित्तीय लेनदेन की जांच पर उठे सवाल

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन काला अंब के दवा उद्योग से जुड़े डिजिटल विजन प्रकरण के बीच अब ओरिसन फार्मा का पुराना मामला भी चर्चा में आ गया है। कंपनी का स्वामित्व राकेश गोयल से जुड़ा बताया जाता है, जिन्हें पुरुषोत्तम लाल गोयल का भाई बताया गया है। इस संबंध में हिमाचल प्रदेश सरकार का एक आधिकारिक आदेश महत्वपूर्ण दस्तावेजी आधार प्रस्तुत करता है। आबकारी आयुक्त, हिमाचल प्रदेश के 9 फरवरी 2022 के आदेश में एमएस ओरिसन फार्मा इंटरनेशनल तथा उसके लाइसेंसधारक राकेश कुमार गोयल और रंजना गोयल का उल्लेख है।



सरकारी आदेश के अनुसार, 2 जून 2021 को पुलिस थाना काला अंब में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21, 29 और 8 के तहत मामला दर्ज हुआ था। यह मामला ट्रामाडोल युक्त दवाओं के कथित अवैध डायवर्जन से संबंधित था। इसी प्रकरण में संबंधित फर्म का केमिस्ट लाइसेंस 9 दिसंबर 2021 को निलंबित किए जाने का उल्लेख भी आदेश में मिलता है। यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि वर्ष 2021 में दर्ज इस मामले की जांच का अंतिम परिणाम क्या रहा? क्या संबंधित कंपनी के उत्पादन, दवा स्टॉक, बिक्री रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन का पूरा परीक्षण हुआ? जानकारी सामने आई है कि कंपनी की जम्मू में भी विनिर्माण इकाई रही है और बाद में नारकोटिक्स से संबंधित लाइसेंस सरेंडर किया गया। हालांकि लाइसेंस सरेंडर करने की तारीख और उसके पीछे के आधिकारिक कारणों की पुष्टि आवश्यक है। कानूनी रूप से किसी लाइसेंस को सरेंडर कर देना पूर्व में हुई गतिविधियों की जांच को स्वत: समाप्त नहीं करता। यदि किसी अवधि में कथित अनियमितता हुई है, तो उसकी जवाबदेही संबंधित कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर तय की जा सकती है। ऐसे में हिमाचल के औषधि नियंत्रक विभाग और जांच एजेंसियों से कुछ सीधे सवाल हैं। क्या ओरिसन फार्मा के पुराने मामले की जांच पूरी हो चुकी है? क्या कंपनी के पूर्व उत्पादन और बिक्री रिकॉर्ड का ऑडिट हुआ

कालाअंब में स्त्रुस्त्र की टीम ने दो युवकों से 11.46 ग्राम चिट्टा किया बरामद, तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजे

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन सिरमौर जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में स्त्रुस्त्र शिमला की टीम ने कालाअंब थाना क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को 11.46 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी हरियाणा के जिला अंबाला के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से तीन दिन का पुलिस रिमांड हासिल हुआ है। पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर को STF शिमला की टीम कालाअंब क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान टीम



को गुप्त सूचना मिली कि मोटरसाइकिल नंबर HR02AJ4689 पर सवार दो व्यक्ति नशीले पदार्थ की खेप लेकर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को रोककर तलाशी ली। इस दौरान उनके कब्जे से 11.46 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान गगनदीप (32) निवासी बेरखेड़ी माजरा तथा सन्नी कुमार (30) निवासी सकरपुरा, तहसील नारायणगढ़, जिला अंबाला (हरियाणा) के रूप में हुई है।

पांवटा साहिब में बाइक पैराफिट टकराई, तीन घायल

एसपी जैरथ

नाहन पांवटा साहिब में स्पीड ब्रेकर पर एक तेज रफ्तार बाइक सवार स्पीड ब्रेकर अनियंत्रित होकर पैरा फिट से टकरा गया, इस हादसे 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है जांच जारी है। एसपी सिरमौर एनएस नेगी ने बताया कि पुलिस थाना पांवटा साहिब मे चांद पुत्र श्री सज्जन सिंह निवासी गांव अमरकोट, डाकघर निहालगढ़, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने शिकायत दर्ज करवाई कि दिनांक 07.11.2026 को शाम करीब 5:15 बजे वह साहवेज व सयान के साथ मोटरसाइकिल नं0 HP17F-7034 पर सवार होकर धौलाकुआं जा रहे थे करीब 5:15 बजे धौलाकुआं की ओर जा रहे मोटरसाइकिल सवार तीन युवक हादसे का शिकार हो गए। शिकायतकर्ता चांद के अनुसार मोटरसाइकिल नंबर ।क्ष7स्त्र-7034 पर वह साहवेज और सयान के साथ जा रहा था। ट्रक यूनियन गोन्दपुर से आगे डीएफओ कार्यालय के समीप ब्रेकर पर चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बाइक सड़क किनारे बनी सीमेंटेड रेलिंग से जा टकराई। हादसे में तीनों युवक घायल हो गए, जबकि साहवेज की गंभीर हालत को देखते हुए उसे उपचार के लिए रेफर किया गया। दोनों सड़क हादसों में पुलिस थाना पांवटा साहिब में अलग-अलग अभियोग दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है।

पांवटा साहिब में दुर्घटना के दो अलग-अलग केस में महिला समेत चार व्यक्ति घायल

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन पांवटा साहिब थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। पहले मामले में एक युवती भावना को मोटरसाइकिल की टक्कर लगने से गंभीर चोटें आई हैं। शिकायतकर्ता कृष्णकांत के अनुसार 26 अक्टूबर की रात करीब 8:26 बजे उसकी बहन भावना पांवटा साहिब स्थित आईटीआई के सामने सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे मोटरसाइकिल चालक ने उसे टक्कर मार दी। घायल भावना को पहले सरकारी अस्पताल पांवटा साहिब ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते देहरादून के सिनर्जी अस्पताल रेफर किया गया। वहां उसका उपचार जारी है। दूसरे मामले में 7 नवंबर की शाम

नाहन के छोटा चौक में भड़की भीषण आग मकानों तक पहुंची लपटें, टला बड़ा हादसा

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन शहर के ऐतिहासिक छोटा चौक क्षेत्र में आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब दोपहर लगभग 11 बजे ाड़ियों में अचानक भीषण आग भड़क उठी। आग की लपटें तेजी से फैलती देख आसपास के रहवासियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत यह रही कि दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की मुख्य वजह कोई आतिशबाजी



बताई जा रही है। माना जा रहा है कि किसी द्वारा चलाया गया पटाखा (रॉकेट) सीधा सूखी ाड़ियों में जा गिरा, जिससे तुरंत आग सुलग गई। हवा और सूखी ाड़ियों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास स्थित रिहायशी मकानों की ओर बढ़ने लगी। ाड़ियों से धुआं और लपटें उठती देख आसपास मौजूद घरों के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। स्थानीय निवासियों ने बाल्टियों से पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया, लेकिन आग का फैलाव तेज होने के कारण वह बेकाबू होती चली गई। स्थिति बिगड़ती देख स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी और कर्मचारी बिना समय गंवाए तुरंत मौके पर पहुंचे।

सतौन में 53 वर्षीय व्यक्ति का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन, .हिमाचल के सिरमौर जनपद के सतौन क्षेत्र के शावड़ी गांव में एक 53 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान कल्याण सिंह निवासी शावड़ी गांव के रूप में हुई है। घटना के बाद से कफोटा और सतौन क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं, परिजनों और स्थानीय लोगों की ओर से हत्या की आशंका जताए जाने के बाद मामला और गंभीर हो गया है जानकारी के अनुसार, कल्याण सिंह अचेत अवस्था में मिले थे। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें तुरंत उपचार के लिए सिविल अस्पताल पांवटा साहिब पहुंचाया गया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। व्यक्ति की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है।

दीपावली पर कांग्रेस नेता के बेटे का आकस्मिक निधन, छाया मातम

टीम एक्शन इंडिया

एसपी जैरथ

नाहन दीपावली के पावन पर्व पर जहां पूरा क्षेत्र दीपों की रोशनी और खुशियों में डूबा हुआ था, वहीं शिलाई क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य रंजीत सिंह नेगी के पुत्र विशाल नेगी का दीपावली की रात दिल का दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। इस हृदय विदारक घटना ने न केवल परिवार की दीपावली की खुशियों को मातम में बदल दिया, बल्कि पूरे शिलाई क्षेत्र को गहरे शोक



में डुबो दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपावली की रात विशाल नेगी के सीने में अचानक तेज दर्द उठा। उनकी तबीयत बिगड़ते देख परिजन घबरा गए और बिना देर किए उन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद सूचना के सामने आते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस घर में दीपावली के दीप जल रहे थे, वहां अचानक मातम छा गया। बताया जा रहा है कि विशाल नेगी पिछले काफी लंबे समय से बीमारी से भी जू । रहे थे। ऐसे में दीपावली की रात उनके आकस्मिक निधन की खबर ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया। क्षेत्र के लोगों के लिए यह विश्वास करना भी मुश्किल हो रहा है कि दीपावली की खुशियों के बीच एक परिवार को अपने लाडले बेटे को हमेशा के लिए खोना पड़ा। विशाल नेगी के निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र के लोगों, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई।

संपादकीय

विज्ञान दिवसः जहाँ ज्ञान बनता है करुणा, और आविष्कार बनता है शांति

विज्ञान केवल प्रयोगशाला की दीवारों में बंद परखनलियों का खेल नहीं है; वह मानव चेतना का वह आलोक है जो अज्ञानता के असीम अंधकार को चीरकर सत्य के प्रकाश की ओर ले जाता है। विज्ञान प्रश्न पूछने का साहस है, सत्य को परखने की विनम्रता है, और ज्ञान को मानवता के कल्याण में ढालने की अनवरत साधना है। प्रत्येक वर्ष 10 नवंबर को मनाया जाने वाला शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हमें इसी मूल सत्य का स्मरण कराता है कि विज्ञान का परम लक्ष्य न तो किसी राष्ट्र का भूमंडलीय वर्चस्व है, और न ही प्रकृति या मानवता का विनाश। विज्ञान का एकमात्र और अंतिम साध्य है– मानवीय जीवन की गरिमा की रक्षा, सतत प्रगति और पृथ्वी पर चिरस्थायी शांति की स्थापना। आज जब संपूर्ण विश्व अनगिनत जटिल चुनौतियों के मुहाने पर खड़ा है, तब विज्ञान और नैतिकता के इस संतुलन को समझना सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

विज्ञान और समाज का संबंध किसी बाहरी या कृत्रिम पुल का मोहताज नहीं, बल्कि यह एक ऐसा आंतरिक सेतु है जिसके बिना किसी भी राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। जब विज्ञान समाज की धड़कनों से कट जाता है, तो वह मात्र एक सूखी तकनीक बनकर रह जाता है; और जब वही विज्ञान जन-जीवन की समस्याओं से जुड़ जाता है, तो वह एक वरदान और संजीवनी बन जाता है। आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, खाद्य सुरक्षा, वैश्विक महामारियाँ और जल संकट जैसी विकट समस्याएँ किसी एक सीमा या देश की बपौती नहीं हैं, बल्कि ये संपूर्ण मानवता की साझी चुनौतियाँ हैं। इनका समाधान केवल और केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गंभीर अनुसंधान और मानवीय संवेदनाओं से उपजे नवाचारों के माध्यम से ही संभव है। जब विज्ञान जमीनी आवश्यकताओं से जुड़ता है, तो शासन की नीतियाँ साक्ष्य-आधारित बनती हैं, और विकास केवल सरकारी आँकड़ों की फाइलों में सिमटकर नहीं रहता, बल्कि हर आम आदमी के जीवन स्तर में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है।

इस दिवस की सार्थकता इसी बात में निहित है कि इसके नाम में शांति और ह्यविकास दोनों शब्द एक साथ गूँजते हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब विज्ञान मानवता के विरुद्ध स्वार्थ या विनाश के हाथों का खिलौना बना, तब-तब उसने सभ्यता को गहरे और कभी न भरने वाले घाव दिए।

परंतु जब वही विज्ञान करुणा, सहिष्णुता और लोक-कल्याण के हाथों में आया, तब उसने चिकित्सा के क्षेत्र में जीवनदायी टीके दिए, रात्रि के अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाया, बंजर धरती पर अन्न उपजाया और दूर-दूर बैठे इंसानों को संवाद के एक सूत्र में पिरो दिया। एक सच्चा वैज्ञानिक और प्रबुद्ध अन्वेषक वही है जो यह गहराई से जानता है कि ज्ञान एक बहुत बड़ी शक्ति है, किंतु करुणा और विवेक के बिना वह शक्ति किसी भी क्षण महाविनाश में बदल सकती है।

भाई दूज: डिजिटल युग में संवेदना को बचाए रखने की जरूरत



डॉ. सत्यवान सौरभ

> भाई दूज हमें हर वर्ष यह याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून के संबंध से नहीं, बल्कि व्यवहार, विश्वास और निरंतर संवेदनशीलता से मजबूत होते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने हमें भावनाओं को भी समय-सारिणी में बांधने के लिए विवश कर दिया है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि रिश्ते भी कैलेंडर में दर्ज कुछ विशेष अवसरों के मेहमान बनकर रह गए हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल उपहार या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी की अपेक्षा रखती हैं। वे चाहती हैं कि भाई उनकी भावनाओं को समझे, उनके विचारों का सम्मान करें और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनका साथ दे

भाई दूज केवल तिलक और मिठाई का त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और आत्मीयता की वह डोर है, जो समय की तेज रफ्तार के बीच भी स्नेह का रंग बनाए रखती है। बदलते दौर में जब मुलाकातें वीडियो कॉल तक सिमटती जा रही हैं और तिलक डिजिटल इमोजी का रूप ले रहा है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या रिश्तों की गर्माहट अब भी पहले जैसी बनी हुई है? भाई दूज हमें याद दिलाती है कि प्रेम केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मीयता और संवेदनाओं को जीवित रखने का निरंतर अभ्यास है। यह पर्व हमें अपने व्यस्त जीवन में अपनों के लिए समय निकालने और रिश्तों में अपनापन लौटाने का अवसर देता है। दीपावली के बाद जब उत्सव का उल्लास धीरे-धीरे शांत होने लगता है, तब भाई दूज की सुबह घरों में प्रेम और मिठास का संदेश लेकर आती है। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती उतारती हैं और उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहन को उपहार देकर जीवनभर उसके साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाता है। यह परंपरा देखने में जितनी सरल है, भावनात्मक रूप से उतनी ही गहरी है। तिलक केवल माथे पर लगाया जाने वाला चिह्न नहीं, बल्कि रिश्तों में विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और प्रेम का प्रतीक है।

लेकिन आज जब समय बदल रहा है और रिश्तों की परिभाषाएं भी नए रूप ले रही हैं, तब यह विचार करना जरूरी है कि क्या भाई-बहन के रिश्ते में पहले जैसी सहजता और आत्मीयता बची हुई है? क्या यह रिश्ता अब भी उतना ही भावनात्मक और विश्वासपूर्ण है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी, घर के आँगन और बचपन की स्मृतियों में हुआ करता था? एक समय था जब भाई दूज केवल त्योहार नहीं, बल्कि परिवार के मिलन और खुशियों का अवसर हुआ करती थी। बहनें सुबह से तैयार होकर भाइयों की प्रतीक्षा करती थीं। घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दराज से बहन के घर पहुंचते थे, क्योंकि इस दिन का विशेष महत्व मिलने-जुलने और साथ समय बिताने में था। न दिखावे की चिंता होती थी और न ही उपहारों की प्रतिस्पर्धा। रिश्तों में सच्चा प्रेम, विश्वास और भावनाओं का सहज प्रवाह होता था। आज भी भाई दूज पूरे उत्साह से मनाई जाती है, लेकिन कहीं-कहीं इसकी आत्मीयता औपचारिकताओं के बीच धुंधली पड़ती दिखाई देती है। तिलक की जगह कई बार व्हाट्स ऐप पर भेजे गए इमोजी और शुभकामना संदेश ले लेते हैं। सोशल मीडिया पर भाई दूज की बधाइयां तो खूब दिखाई देती हैं, लेकिन उनके पीछे वह आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव हमेशा दिखाई नहीं देता, जो बहन की आंखों में भाई को सामने देखकर झलकता था।



यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संवेदनाओं का भी है। तकनीक ने हमें भौगोलिक दूरियों के बावजूद जोड़ने का अवसर दिया है, लेकिन कई बार हम रिश्तों को दिल से निभाने के बजाय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों तक सीमित कर देते हैं। भाई दूज जैसे पर्व, जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक हैं, कहीं-कहीं सोशल मीडिया के स्टेटस और औपचारिक संदेशों तक सिमटते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिक दबाव और बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति ने हमारे पारिवारिक संबंधों को भी प्रभावित किया है।

भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा या भाई द्वारा सुरक्षा का वचन देने तक सीमित नहीं है। यह भाई-बहन के बीच भावनात्मक संतुलन, सहयोग और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक भी है। बदलते समय में इस रिश्ते को केवल संरक्षण और निर्भरता के पुराने दायरे में देखना उचित नहीं होगा। आज बहनें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। यह बदलाव सकारात्मक है। अब बहन को केवल सुरक्षा की आवश्यकता रखने वाली व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि समान अधिकारों और आत्मसम्मान वाली स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना चाहिए। हालांकि आत्मनिर्भरता और समानता के इस दौर में भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट बनाए रखना उतना ही जरूरी है। रिश्तों का महत्व किसी की निर्भरता में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, विश्वास और भावनात्मक सहयोग में होता है।

शहरीकरण, रोजगार की तलाश में पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने परिवारों के बीच भौतिक दूरियां बढ़ा दी हैं। पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर पूरा दिन उसके परिवार के साथ बिताता था। आज कई बार मुलाकात कुछ मिनटों तक सीमित रह जाती है या फिर वीडियो कॉल से ही त्योहार की औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। निश्चित रूप से तकनीक दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए एक उपयोगी माध्यम है, लेकिन जब संभव हो, तब व्यक्तिगत मुलाकात और साथ बिताया गया समय रिश्तों को विशेष मजबूती प्रदान करता है। त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य ही रिश्तों को फिर से जीवंत करना और दूरियों को कम करना है। भाई दूज हमें हर वर्ष यह याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून के संबंध से नहीं, बल्कि व्यवहार, विश्वास और निरंतर संवेदनशीलता से मजबूत होते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने हमें भावनाओं को भी समय-सारिणी में बांधने के लिए विवश कर दिया है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि रिश्ते भी कैलेंडर में दर्ज कुछ विशेष अवसरों के मेहमान बनकर रह गए हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल उपहार या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी की अपेक्षा रखती हैं। वे चाहती हैं कि भाई उनकी भावनाओं को समझे, उनके विचारों का सम्मान करें और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनका साथ दे। इसी प्रकार भाइयों को भी बहनों से स्नेह, सहयोग और संवेदनशीलता की अपेक्षा होती है। यही रिश्ते का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता और आत्मीयता का सुंदर संतुलन दिखाई देता है। भाई दूज को अब केवल बहन की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, समान अधिकार और संवाद के पर्व के रूप में भी समझने की आवश्यकता है। भाई-बहन का रिश्ता बचपन तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवनभर साथ चलने वाला भावनात्मक संबंध है। जीवन के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए।आज का समाज कई बार रिश्तों को भी उपयोगिता, व्यावसायिकता और व्यक्तिगत लाभ की कसौटी पर परखने लगा है। ऐसे समय में भाई दूज हमें यह संदेश देती है कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। तकनीक संवाद के साधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन आत्मीयता के लिए संवेदनशील व्यवहार, समय, विश्वास और अपनापन आवश्यक हैं।

इसका अर्थ यह नहीं है कि हमें आधुनिक तकनीक या बदलती जीवनशैली का विरोध करना चाहिए। समय के साथ त्योहारों के स्वरूप में बदलाव स्वाभाविक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इस बदलाव के बीच भावनाओं का मूल आधार सुरक्षित रहे। भाई दूज को नया अर्थ देते हुए भाई और बहन दोनों को एक-दूसरे की स्वतंत्रता, संघर्षों, आकांक्षाओं और निर्णयों का सम्मान करना चाहिए। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता और सम्मान चाहती हैं। वहीं भाइयों को भी यह समझना चाहिए कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, कोई विद्रोह नहीं।

नई दिल्ली कार्यालय
एक्शन बालाजी हाउस, बी-244, मजलिस पार्क, दिल्ली- 110033

उत्तरी दिल्ली कार्यालय
शक्ति कॉम्पलैक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली- 110042

चंडीगढ़ कार्यालय
फर्स्ट फ्लोर, देश सेवक बिल्डिंग, सेक्टर- 29डी, चंडीगढ़

पंजाब कार्यालय
7/2, थर्ड फ्लोर, मोनिका, टावर, ईआर-146, पक्का बाग, मिलाप चौक, जालंधर

करनाल कार्यालय
224, सेक्टर 32पी, करनाल- 132001

सोनीपत कार्यालय
ऑफिस no. 11, ग्राउंड फ्लोर पवन मेगा मॉल सुभाष चौक सोनीपत

शिमला कार्यालय
किशोर भवन, जोधा निवास, डेजी बैंक एस्टेट, लोअर जाखू, शिमला- 171001

ऊना कार्यालय
कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना-174303

देहरादून कार्यालय
7/1, बल्लूपुर रोड़, कृष्णा नगर चौक, देहरादून

पद पाने के लिए समाजसेवा का बढ़ता ड्रामा

डॉ. सत्यवान सौरभ

समाजसेवा कभी निस्वार्थ भाव से समाज के दुख-दर्द बांटने, जरूरतमंदों की मदद करने और सामाजिक बदलाव लाने का माध्यम हुआ करती थी। लेकिन बदलते दौर में समाजसेवा की परिभाषा भी कहीं-कहीं बदलती दिखाई दे रही है। अब सेवा से ज्यादा उसका प्रचार, जरूरतमंदों की मदद से ज्यादा कैमरों की मौजूदगी और सामाजिक जिम्मेदारी से ज्यादा पद-प्रतिष्ठा हासिल करने की लालसा नजर आने लगी है। सवाल यह है कि क्या समाजसेवा वास्तव में समाज के लिए हो रही है या समाजसेवा के नाम पर अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हित साधने का नया रास्ता तैयार किया जा रहा है?

आजकल सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में एक नया चलन तेजी से देखने को मिल रहा है। जैसे ही किसी संस्था, संगठन, पंचायत, राजनीतिक दल या सामाजिक मंच पर कोई पद खाली होने की चर्चा शुरू होती है, वैसे ही कुछ लोगों की समाजसेवा अचानक तेज हो जाती है। जो लोग लंबे समय तक समाज की समस्याओं, गरीबों की परेशानियों और जरूरतमंदों की मजबूरियों से अनजान बने रहते हैं, वे अचानक सेवा के बड़े-बड़े दावे करने लगते हैं। कहीं कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित होता है, कहीं राशन बांटने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की जाती हैं, तो कहीं किसी जरूरतमंद परिवार की सहायता करते हुए दर्जनों फोटो खिंचवाए जाते हैं। यहां सवाल किसी के सेवा कार्य पर उंगली उठाने का नहीं, बल्कि सेवा के पीछे छिपी नीयत और उद्देश्य को समझने का है। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन जब सेवा का मुख्य उद्देश्य किसी पद को हासिल करना, अपनी छवि चमकाना या भविष्य में राजनीतिक लाभ उठाना बन जाए, तब उस प्रवृत्ति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। समाजसेवा और दिखावे के बीच एक बहुत बारीक लेकिन महत्वपूर्ण अंतर होता है। सच्चा समाजसेवी बिना किसी प्रचार के भी लोगों के दुख-दर्द में शामिल होता है। उसे न तो हर सहायता के बाद फोटो की जरूरत होती है और न ही हर अच्छे काम के बदले सम्मान-पत्र या पद की अपेक्षा। इसके विपरीत, दिखावे की सेवा में अक्सर काम से ज्यादा प्रचार पर ध्यान दिया जाता है। जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी से अधिक महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि कार्यक्रम में कितने लोग आए, कितनी तस्वीरें खिंचीं और सोशल मीडिया पर कितनी प्रतिक्रियाएं मिलीं। आज सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है। सेवा कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना गलत नहीं है। कई बार प्रचार से दूसरे लोग भी प्रेरित होते हैं और सामाजिक कार्यों के लिए सहयोग मिलता है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब किसी जरूरतमंद की मजबूरी को प्रचार का साधन बना दिया जाता है।

विचार

दीपावली का उजाला धुएं में न बदले, उत्सव और पर्यावरण के बीच संतुलन जरूरी!

दीपावली प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का पर्व है। घर-घर दीप जलाकर अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश दिया जाता है। लेकिन यदि यही उत्सव सांस लेना मुश्किल कर दे तो हमें अपनी उत्सव मनाने की शैली पर गंभीरता से विचार करना होगा। इस वर्ष दिल्ली में दीपावली के दिन औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (अदक) 376 दर्ज हुआ, जो 2021 के बाद दीपावली का सबसे ऊंचा स्तर है। 2021 में यह आंकड़ा 382 था। दीपावली के अगले दिन सोमवार सुबह 10 बजे भी अदक371 रहा और कई निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता ह्यगंभीरह्ल श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी क्षेत्र में अदक 439 तक दर्ज किया गया।

यह समस्या केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। दीपावली के दौरान देश के अनेक शहरों में पटाखों के धुएं, वाहनों के उत्सर्जन, निर्माण कार्यों की धूल और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों ने हवा को जहरीला बनाने में योगदान दिया। दिल्ली-एनसीआर में स्थिति इसलिए भी बिगड़ी क्योंकि नवंबर की ठंडी हवा और कम गति वाले वातावरण में प्रदूषक आसानी से बिखर नहीं पाए। विशेषज्ञों के अनुसार पटाखों से निकलने वाले सूक्ष्म कण, विशेषकर ढट2.5, हवा में घुलकर लंबे समय तक बने रह सकते हैं। दीपावली की रात पटाखों से अचानक बढ़ने वाला धुआं पहले से मौजूद प्रदूषण के ऊपर अतिरिक्त बोझ डाल देता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस प्रदूषण का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और सांस या हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ता है। आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में परेशानी और सिरदर्द जैसी शिकायतें पटाखों के धुएं के बीच आम हो जाती हैं। इसे उस व्यक्ति के उदाहरण से समझा जा सकता है जो स्वयं धूम्रपान करता है और उसके आसपास खड़े लोग भी धुएं का नुकसान झेलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पटाखों का धुआं कोई एक व्यक्ति नहीं, पूरा मोहल्ला और कई बार पूरा शहर सांस के साथ भीतर लेता है। इसलिए मैं तो कुछ ही पटाखे जला रहा हूं वाली सोच भी समस्या का हिस्सा है। हर व्यक्ति का छोटा योगदान सामूहिक रूप से बड़े प्रदूषण में बदल जाता है। यह भी समझना जरूरी है कि केवल पटाखों को दोष देकर समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। दिल्ली की हवा में वाहनों का धुआं, सड़क और निर्माण की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन तथा पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से आने वाला धुआं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। सरकार को पटाखों के समय और प्रकार को लेकर स्पष्ट नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा, अवैध पटाखों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी और प्रदूषण फैलाने वाले अन्य स्रोतों पर भी समान कठोरता दिखानी होगी। साथ ही, केवल प्रशासनिक आदेश पर्याप्त नहीं होंगे। धार्मिक संस्थाओं, मंदिर समितियों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिक समूहों को अभियान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। धार्मिक संतों और सामाजिक नेतृत्व के माध्यम से यह संदेश दिया जा सकता है कि दीपावली की आत्मा प्रकाश और सद्भाव है, धुआं फैलाना नहीं।

समाज को भी उत्सव की परिभाषा बदलनी होगी। मिट्टी के दीपक, सामूहिक दीपोत्सव, जरूरतमंद परिवारों की सहायता, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण-अनुकूल सजावट को दीपावली की नई परंपराओं का हिस्सा बनाया जा सकता है। बच्चों को भी यह समझाना होगा कि आनंद का मतलब अधिक पटाखे जलाना नहीं है। सरकार को वर्षभर जनजागरूकता अभियान चलाकर अगले दीपावली पर्व की तैयारी पहले से करनी चाहिए, ताकि अंतिम समय में प्रतिबंध लगाने के बजाय समाज स्वयं जिम्मेदार व्यवहार अपनाए। ह्यग्रीन पटाखेह्ल भी प्रदूषण-मुक्त नहीं होते, इसलिए उन्हें भी पूर्ण समाधान मानना उचित नहीं है।

दीपावली का दीपक हमें अंधकार मिटाने का संदेश देता है। इसलिए यह विडंबना नहीं होनी चाहिए कि अंधकार मिटाने के पर्व पर हम हवा को ही धुएं से भर दें। उत्सव मनाना हमारा अधिकार है, लेकिन किसी दूसरे की सांस की कीमत पर नहीं। अब समय आ गया है कि सरकार, समाज, धार्मिक संस्थाएं और नागरिक मिलकर ऐसी दीपावली की परंपरा विकसित करें, जिसमें घर रोशन हों, दिल खुश हों और हवा भी सांस लेने लायक बनी रहे। दीपावली का उजाला तभी सार्थक है, जब उसकी रोशनी जीवन बढ़ाए, जीवन घटाए नहीं!

एक्शन इंडिया दैनिक
भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः HPHIN / 2012 / 48072

एक्शन इंडिया मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रवि भारद्वाज द्वारा एक्शन इंडिया कार्यालय, कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 से प्रकाशित एवं अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से मुद्रित।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : पंकज शर्मा (9418026789)
ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com
एक्शन इंडिया शिमला कार्यालयः किशोर भवन, जोधा निवास, डेजी बैंक एस्टेट, लोअर जाखू, शिमला- 171001
एक्शन इंडिया ऊना कार्यालयः कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना
पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

आलेख

प्रदूषण से डल हो चुके चेहरे पर निखार लाने के टिप्स

शहनाज हुसैन

देश के अधिकतर शहरों के आसमान में धुएं ,धूल ,एसिड से भरी जहरीली हबा की परत बार बार खतरनाक स्तर को पर कर रही है तथा अनेक शहरों की हवा साँस लेने लायक नहीं रह गई है / प्रदूषण के खतरनाक स्तर पार कर जाने से अनेक शहरों में स्मोग की घनी चादर छाई छाई हुई है जिससे देखने में भी परेशानी का सामना करना पर रहा है / बायु में प्रदूषण आगामी दिनों में बद से बदतर हो सकता है /हालाँकि बायु प्रदूषण से सेहत को होने बाले नुकसान के बारे में ज्यादातर लोग जागरूक हैं लेकिन बायु प्रदूषण से बालों, त्वचा ,चेहरे की सुन्दरता पर पड़ने बाले खतरनाक प्रभाव से कम ही लोग बाकिफ हैं / वायु में बढ़ते प्रदूषण से न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ता है लेकिन उससे आपकी खूबसूरती पर भी ग्रहण लगता है शहरो में बढ़ते बायु प्रदूषण से आपको फेफड़ों के रोगों के अलाबा समय से पहले बुढ़ापा ,पिगमेंटेशन ,त्वचा के छिद्रों में ब्लॉकिज आदि अनेक सौन्दर्य समस्यायें खड़ी हो जाती हैं / ज्यादातर भारतीय शहरों में बाहनों , एयर कण्डीशन ,धुल , धुएं आदि से आसमान में बनने बाली जहरीली धुंद की चादर से माइक्रोस्कोपिक केमिकल्स की एक परत बन जाती है जिसके कण हमारे छिद्रों के मुकाबले 20 गुणा ज्यादा पतले होते है जिसकी बजह से बह हमारी बार्ह्री त्वचा से हमारे छिद्रों में प्रवेश कर के त्वचा की नमी को खतम कर देते हैं जिससे त्वचा में लालिमा , सूजन ,काले दाग ,त्वचा में लचीलेपन में कमी, आ जाती हैं जिससे त्वचा निर्जीव , शुष्क , कमजोर एवं बुझी बुझी सी हो जाती है /

वायु में विद्यमान रसायनिक प्रदूषण त्वचा तथा खोपड़ी के सामान्य सन्तुलन को बिगाड़ देते है जिससे त्वचा में रूखापन, संवेदनहीनता लाल चकत्ते, मुहांसे तथा खुजली एवं अन्य प्रकार की एलर्जी एवं बालों में रूसी आदि की समस्यायें उभर सकती है। लेकिन अगर आप शहरों में रहते हैं तो आप प्रदूषण से कभी छुटकारा नहीं पा सकते लेकिन अच्छी खबर यह है की आप प्रदूषण से सौन्दर्य को होने बाले नुकसान को काम कर सकते हैं।

सरकारी इमारत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

सरकारी इमारतों की अपनी एक खास गंध होती है। इसमें पुरानी फाइलों की धूल, सीलन और बाहर बैठे लोगों की उम्मीदों का सड़ना एक साथ घुला होता है। राष्ट्रीय फिल्म धरोहर मिशन के चमचमाते वातानुकूलित दफ़्तर में हरिहर बाबू रोज आते थे। एक हाथ में लाठी और दूसरे में जंग लगा, फीते से बँधा रील का एक खाली डिब्बा। वहाँ तैनात बाबू और डिजिटलीकरण विशेषज्ञ उन्हें कोई बेकार पुर्जा समझते थे। जब भी बड़ा बाबू फाइलों का पुलिंदा लेकर निकलता, हरिहर बाबू अपनी लाठी के सहारे सीधे होकर पूछते, "बाबू जी, क्या उस लोक संगीत अभिलेख और मानदेय वाले कागज पर साहब के दस्तखत हुए?" बाबू चिढ़कर फाइल पटकता और चिल्लाता, "अरे बाबा, जब तक क्लाउड सर्वर पर तुम्हारे रिकॉर्ड का डिजिटल मेटाडेटा अपलोड नहीं होगा, फूटी कौड़ी नहीं मिलेगी।" हरिहर बाबू बिना कुछ कहे वापस जाकर चबूतरे पर बैठ जाते। वे उस सफेद फीते को डिब्बे पर कसने की निरर्थक कोशिश करने लगते, जो उनकी पुरानी गाँठों से बार-बार फिसल जाता। कस्बे के लोग सोचते कि बुजुर्ग अपने किसी पुराने भत्ते के लिए भटक रहे हैं। मगर कोई नहीं जानता था कि उस खाली डिब्बे में विरासत दिवस के इस भव्य ढोंग का सबसे भयानक और दर्दनाक सच बंद था।

फिर वह दिन आया जब विश्व दृश्य-श्रव्य विरासत दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय संगोष्ठी रखी गई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रमुख सलाहकार महोदय नए डिजिटल स्टूडियो का लोकार्पण करने पहुँचे। गाड़ी का सायरन बजते ही सरकारी अफसरों के पेट का पानी हिल गया। आनन-फानन में लाल कालीन बिछाए गए और नए फ्लेक्स बोर्ड टाँग दिए गए ताकि व्यवस्था का सड़ता हुआ ढाँचा ढका रहे। मंच पर दीप प्रज्वलित हुआ। अतीत की सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने के सरकारी संकल्पों पर लंबा, लच्छेदार भाषण दिया गया। तालियों की गूँज जब शांत हुई, तो सलाहकार महोदय पत्रकारों की फौज के साथ बाहर निकले।

गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की गोवर्धन पूजा

टीम एक्शन इंडिया

गोरखपुर। दीपावली के पंच दिवसीय महापर्व की श्रृंखला के महत्वपूर्ण पर्व गोवर्धन पूजा के पावन उपलक्ष्य में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। गोपूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें हर हाल में गाय की रक्षा करनी है। साथ ही उसकी नस्ल सुधार की दिशा में भी आगे बढ़ते हुए हर पशुपालक को समृद्धि के पथ पर अग्रसर करना है। दीपावली के दिन रविवार से गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन की प्रक्रिया पूर्ण की। गायों और गोवंश को माला पहनाई, तिलक लगाया और गोमाता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। गो पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। इस दौरान वह कई गायों और गोवंश को उनका नाम लेकर पुकारते रहे और उनके पास जाकर उन्हें खूब दुलार भी किया।



गोसंरक्षण के लिए अभिनव कार्यक्रम चला रही सरकार : योगी

गोवर्धन पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों और सभी गोपालकों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गो महत्ता को प्रतिष्ठित करने वाली परंपरा का निर्वहन करने के लिए उत्तर प्रदेश में सरकार सात हजार 700 से अधिक गोशालाओं के माध्यम से निराश्रित गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक अभिनव कार्यक्रम चला रही है। इन गोशालाओं में 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश रह रहे हैं।

गाय के साथ उसे पालने के लिए आर्थिक सहायता भी दे रही सरकार

गोवर्धन पूजा

- गो पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोसंरक्षण और गोसंवर्धन के लिए राज्य सरकार की वर्तमान में तीन प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। पहली, निराश्रित गोआश्रय स्थल, जो सरकार द्वारा संचालित है। दूसरी, सहभागिता स्कीम। इसके अंतर्गत कोई भी किसान अगर निराश्रित गोआश्रय स्थल से गाय ले जाकर उनका देखभाल करता है तो सरकार प्रति गाय लालन पालन के लिए प्रतिमाह 1,500 उपलब्ध कराती है। इसमें एक किसान को चार गाय तक की अनुमति है। यानी एक किसान इस स्कीम से हर माह 6,000 रुपये अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकता है। इसी क्रम में कुपोषित परिवार को भी दूध पीने के लिए निराश्रित गोआश्रय स्थल से एक-एक दुधारू गाय (जो दूध दे रही हो) दी जाती है। इस तीसरी योजना में प्रति गाय के लिए परिवार को हर माह 1,500 रुपये भी दिए जाते हैं। इन योजनाओं का बड़े पैमाने पर किसानों और कुपोषित परिवारों ने लाभ लिया है।

सरकार का एक ही ध्येय, गाय सड़कों पर न हो

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तीसरी स्कीम को राज्य सरकार ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्वयं ही संचालित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में गो आश्रयस्थल की व्यवस्था पशुपालन विभाग संचालित करता है जबकि नगरीय क्षेत्र में कान्हा उपवन के रूप में नगर विकास विभाग संचालित करता है। उन्होंने कहा कि गोसंरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार का एक ही ध्येय है कि गाय सड़कों पर न हो। किसानों की उपज को नुकसान न पहुंचाए, बल्कि सुरक्षित स्थान पर और सम्मानजनक ढंग से गाय की देखभाल हो सके। योगी ने बताया कि निराश्रित गोआश्रय स्थल इसी उद्देश्य से प्रारंभ किए गए थे।

राज्य आंदोलनकारियों की समस्याओं के समाधान के लिए कैबिनेट समिति गठित

मानदेय में वृद्धि

- आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ताओ और भोजन माताओं के मानदेय में एक दिसंबर से वृद्धि करने की घोषणा की





टीम एक्शन इंडिया

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भराड़ीसैंण में महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ, आशा कार्यकर्ताओ और भोजन माताओं के मानदेय में एक दिसंबर से वृद्धि करने की घोषणा की। उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों की मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए कैबिनेट समिति गठित करने का भी ऐलान किया। विधानसभा भवन परिसर में आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर उत्तराखंड का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने राज्य निर्माण के लिए आंदोलनकारियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। पिछले 26 वर्षों में प्रदेश ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था वर्ष 2022 में लगभग 2.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3.82 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जबकि राज्य का बजट 1.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य सूचकांक 2023-24 में उत्तराखंड को पहला स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि चारधाम सड़क परियोजना, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना तथा केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाओं से प्रदेश में संपर्क सुविधाओं और तीर्थाटन को नई गति मिलेगी। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत 51 सीमांत गांवों में लगभग 200 योजनाओं पर काम किया जा रहा है। धामी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। सख्त नकल विरोधी कानून से भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। प्रदेश की तीन लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि अटल आयुष्मान योजना के तहत 63 लाख से अधिक स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए हैं। हल्द्वानी में कैंसर संस्थान और किच्छा में एम्स के सैटेलाइट सेंटर की स्थापना की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके अलावा लगभग 1,300 विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएं शुरू की गई हैं और 226 विद्यालयों को पीएम श्री विद्यालय के रूप में विकसित किया गया है।

असम में अगले 50 साल तक सत्ता में नहीं लौटेगी कांग्रेसः हिमंत बिस्व सरमा

तैयारी

- 2031 के विधानसभा चुनाव में 126 सीटों पर जीत हासिल करने के लक्ष्य के साथ तैयारी शुरू की



टीम एक्शन इंडिया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस अगले 50 वर्षों तक राज्य की सत्ता में वापस नहीं लौटेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वर्ष 2031 के विधानसभा चुनाव में सभी 126 सीटों पर जीत हासिल करने के लक्ष्य के साथ अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री मोरीगांव जिले के लाहोरीघाट में आयोजित भाजपा के विजय उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का अगला लक्ष्य राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर कब्जा करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामगुड़ी के बाद अब लाहोरीघाट में भी विजय उत्सव के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा जा रहा है। भाजपा ने वर्ष 2031 के चुनाव के लिए सभी 126 सीटें जीतने का मिशन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायक आशिफ नजर और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार और कुशासन के गंभीर आरोप हैं। उन्होंने कहा कि नगांव की जनता ने इस बार आशिफ नजर और रकीबुल हुसैन जैसे नेताओं को खारिज कर दिया है। लाहोरीघाट के विधायक पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2031 के चुनाव में उन्हें घर बैठाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को अभी से तैयारी करनी होगी। वहीं, लाहोरीघाट में चलाए गए बेदखली अभियान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका जाति या धर्म से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि उसे अल्पसंख्यकों की इतनी चिंता थी तो उसने अपने शासनकाल में इन लोगों को भूमि पट्टे क्यों नहीं दिए।

सरकारी योजनाओं के लाभुकों को प्रमाण-पत्र देकर किया गया सम्मानित



टीम एक्शन इंडिया

सुपौल। बसंतपुर प्रखंड की रतनपुर पंचायत में सोमवार को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के लिए प्रमाण-पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत चयनित लाभुकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में छातापुर के विधायक नीरज कुमार सिंह, जिलाधिकारी सावन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी वीरपुर विनय कुमार सहित जिले के कई वरीय पदाधिकारी, कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक नीरज कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर विधायक नीरज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने लाभुकों को बधाई देते हुए कहा कि सभी पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनसे जुड़ना चाहिए और इसका लाभ उठाना चाहिए।

सम्मान

- प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र लाभुक योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे

जिलाधिकारी सावन कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र लाभुक योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।

गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत की पहचानः मुख्यमंत्री मोहन

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली है। इस नगरी का गौरवशाली अतीत है। गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति की पहचान है। यह गुरु गोरखनाथ के नाम पर की जाती रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को उज्जैन में तिलकेश्वर महादेव गौशाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से गौवर्धन पूजा की व गौ माता को गुड़ रोटी खिलाई। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी दीपावली का त्यौहार गौधन का पूजन कर मनाते है। समय की आवश्यकता है कि गौमाता की पूजा के साथ प्रत्येक व्यक्ति गौमाता को पाले।



सिंहस्थ के प्रबंधन के लिए समाज का सहयोग आवश्यक

गौरवशाली

- उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली है। इस नगरी का गौरवशाली अतीत है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगर सिंहस्थ में आने वाले 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रबंधन के लिए तैयार हो रहा है। पूरे शहर में 500 कि.मी. से अधिक सडके बन रही है। तिलकेश्वर महादेव के पास स्थित वाल्मिकी धाम में नया पुलिस थाना भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को सिंहस्थ के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शिप्रा में पवित्र स्नान के लिए नए घाटों कानिर्माण करते हुए उन घाटों पर सुगम पहुंच मार्ग की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहर के लोगों को आवाहन किया है कि वे भी अपनी ओर से सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं का खुले मन से स्वागत करें। यहां आने वाला हर एक श्रद्धालु एक अनूठे आतिथ्य सत्कार का अनुभव लेकर लौटे। मुख्यमंत्री ने नगर के लोगों से अपील की है कि वे अपनी खाली जमीन पर टेंट सिंटी, घरों में नए कमरे, होटल व होमस्टे बनाकर अतिथियों को सुविधा उपलब्ध कराए, इससे उन्हें अतिरिक्त आय भी होगी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने भी संबोधित किया। विधायक अनिल जैन कालूहेडा, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, महापौर मुकेश टटवाल, यूडीए अध्यक्ष रवि सोलंकी, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, नारायण यादव, संजय अग्रवाल, जगदीश पांचाल, राकेश पंड्या, रामनाथ महाराज, पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती, डॉ.

गोवर्धन पूजा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और संरक्षण का संदेश : राज्यपाल पटेल

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमारी धार्मिक आस्था, लोक परंपरा और प्रकृति के साथ सह अस्तित्व की जीवनशैली का प्रतीक है। गोवर्धन पूजन का उत्सव प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जिम्मेदारी का सामूहिक संकल्प है। राज्यपाल पटेल ने सोमवार को अपने संदेश में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत की आराधना का प्रसंग, हमें प्रकृति की रक्षा और संतुलित उपयोग का संदेश देता है। आज जब पर्यावरण संरक्षण वैश्विक चुनौती है, तब यह पर्व हमें हरियाली संवर्धन, जल संरक्षण और सतत जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें। अपने परिवेश में वृक्षारोपण एवं हरियाली को प्रोत्साहित करें। इस पर्व को भावी पीढ़ी में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और जागरूकता विकसित करने के संकल्प के रूप में मनाएँ।

धूमधाम से मना तेजस्वी यादव का 37वां जन्मदिन

निजीकरण

- रोजगार देने तथा देश में सरकारी संस्थाओं के निजीकरण को बंद करने की वकालत करते रहे



टीम एक्शन इंडिया

भागलपुर। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष सह बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का 37वां जन्मदिन सोमवार को बरहपुरा स्थित इरशाद विवाह भवन में धूमधाम से मनाया गया। युवा राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष नूर हसन फरीदी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकताओं ने केक काटकर और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि तेजस्वी प्रसाद यादव के विचारों को गांव-गांव तक ले जाने की आवश्यकता है। इस दौरान उपस्थित राजद कार्यकताओं ने इसके लिए संकल्प भी लिया। डॉ. हिमांशु ने कहा कि तेजस्वी यादव की राजनीति विकास की मुख्य धारा– 'पढ़ाई, कमाई, दवाई, सिंचाई और कार्रवाई' वाली सरकार के इर्द-गिर्द केंद्रित रही है। तेजस्वी यादव पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित और महादलित के साथ-साथ अगड़ी जातियों को भी साथ लेकर चलने की बात करते हैं। उन्होंने बिहार में जाति आधारित गणना कराने और उसके आधार पर आरक्षण लागू करने में अहम भूमिका निभाई। किसानों को समय पर पानी, खाद, बिजली और उपज का समर्थन मूल्य दिलाने, युवाओं को अविलंब रोजगार देने तथा देश में सरकारी संस्थाओं के निजीकरण को बंद करने की वकालत करते रहे हैं।

सीएम शुभेंदु ने दी चेतावनी, बोले- 'पुलिस पर हाथ उठाने वालों को नहीं छोड़ेंगे'

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता। अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन समारोह के दौरान कोलकाता के कालीघाट इलाके में शुक्रवार रात और शनिवार दिनभर चले हंगामे और पुलिस पर हमले को लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। सोमवार को दीघा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुलिस पर हाथ उठाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर हुई इस अशांति के पीछे एकबालपुर के लोगों का हाथ था।



'पुलिस पर हमले को लेकर जीरो टॉलरेंस'

कालीघाट बवाल के दौरान स्थिति को नियंत्रित करने गई पुलिस टीम पर हमले और एक पुलिसकर्मी को थप्पड़ मारे जाने की घटना पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं किसी का नाम लेकर उसे हीरो नहीं बनाना चाहता। लेकिन यदि कोई पुलिस को थप्पड़ मारता है, हाथापाई पर उतारू होता है, आंख दिखाता है या सरकारी काम में बाधा डालते हुए धमकी देता है, तो उसके खिलाफ उपयुक्त धाराओं में मामला दर्ज होना ही चाहिए। राज्य के प्रशासनिक प्रमुख और पुलिस मंत्री के नाते अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी घायल हुए हैं और उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। सरकारी काम में बाधा डालने वाले जिन लोगों की वीडियो फुटेज के आधार पर पहचान हुई है, उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल होगी और हिरासत में लेकर मुकदमा (कस्टडी ट्रायल) भी चलाया जाएगा। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

काबू

- अभिषेक बनर्जी और ममता बनर्जी ने पुलिस प्रशासन और भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए

'गुंडे हरीश चटर्जी या हरीश मुखर्जी रोड के नहीं, एकबालपुर के थे'

इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस ने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें कालीघाट क्षेत्र का तृणमूल नेता बताया जा रहा है। इन गिरफ्तारियों को लेकर डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस प्रशासन और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए हैं।

इन सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तार किए गए लोग स्थानीय निवासी नहीं हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने किया अन्नकूट महोत्सव एवं श्याम भजन संध्या के पोस्टर का विमोचन

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। कृष्णा सरोवर वेलफेयर सोसाइटी की ओर से 14 नवम्बर को आयोजित होने वाले भव्य अन्नकूट महोत्सव एवं श्याम भजन संध्या के पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित इस अवसर पर सोसाइटी के पदाधिकारी एवं आयोजन से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे। इस पोस्टर विमोचन के दौरान सोसाइटी अध्यक्ष मदन सिंह माकड़ी, सीए सुशील कुमार शर्मा, रवि जोशी, मुख्य भामाशाह सौरभ शर्मा, संदीप शर्मा एवं रविशंकर शर्मा मौजूद रहे। सभी ने मुख्यमंत्री को आयोजन की जानकारी दी। सोसाइटी सोसाइटी अध्यक्ष मदन सिंह माकड़ी ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया जाना उनके लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। इससे आयोजन को विशेष पहचान मिली है। इस अवसर पर कृष्णा सरोवर वेलफेयर सोसाइटी की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया गया।



facebook.com/actionindialive twitter.com/actionindianews youtube.com/actionindiatv

हिमाचल न्यूज
एक्शन इंडिया

www.actionindialive.com

ऊना, 10 नवम्बर 2026

मुख्यमंत्री ने मशोबरा में 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के साथ मनाई दीपावली

परिवार

» बच्चों को बांटे फल, मिठाइयां और पटाखे, 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' मेरे परिवार का हिस्सा : सीएम

पंकज शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने दीपावली के अवसर पर मशोबरा स्थित बालिका आश्रम में 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के साथ दीपावली का पर्व मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ पटाखे जलाकर खुशियां सा ा कीं और उन्हें फल, मिठाइयां तथा पटाखे वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' उनके अपने परिवार का हिस्सा हैं और यही कारण है कि वह समय-समय पर उनसे मिलने विभिन्न बाल देखभाल संस्थानों में



जाते रहते हैं। इन संस्थानों के दौरे का उद्देश्य बच्चों की समस्याओं, जरूरतों और अपेक्षाओं को सम ना तथा उनके समाधान के लिए उचित कदम उठाना है।

उन्होंने बच्चों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार के पास उनके कल्याण और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध हैं। सरकार उनके शिक्षा का पूरा खर्च वहन कर रही है तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त, उन्हें घर बनाने और विवाह संबंधी खर्चों के लिए भी आर्थिक सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे बच्चों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में इन संस्थानों में छात्रावासों के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा मिलने के बाद प्रदेश सरकार ने इन बच्चों के माता-पिता दोनों की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया है। उनके सर्वांगीण विकास, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अच्छे संस्कार अपनाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों को जीवन में कड़ी मेहनत करने तथा हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।



प्रदेश सरकार 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' की सभी आवश्यकताओं का रखेगी ध्यान

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार भविष्य में भी 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखेगी और वह स्वयं उनके कल्याण एवं उन्हें उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की नियमित निगरानी करते हैं। इस अवसर पर बालिका आश्रम, मशोबरा की छात्राओं ने मुख्यमंत्री के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, महाधिवक्ता अनूप रतन, उपायुक्त अनुपम कश्यप और अन्य गणमान्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक दृष्टि के मद्देनजर मेलों की भूमिका अहम : विक्रमादित्य सिंह

मेला

» लोक निर्माण मंत्री ने नाल में आयोजित दीपावली मेले में की शिरकत



चमन शर्मा

शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज ग्राम पंचायत क्यारटु के नाल में आयोजित एक दिवसीय दीपावली मेले में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर ठियोग विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलदीप सिंह राठौर भी विशेष रूप से उनके साथ उपस्थित रहे।

विक्रमादित्य सिंह ने अपने संबोधन में मेला समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेले हमारी प्राचीन धरोहरो को प्रदर्शित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक दृष्टि के मद्देनजर मेलों की अहम भूमिका है जिसको सँवरना एवं संभालना हमारा दियित्व है।

विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ठियोग क्षेत्र में समय-समय पर उनका दौरा होता रहता है और जो भी ग्रामीण अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखते हैं उनका चरणबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि हर पंचायत क्षेत्र का विकास समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि लोगों को विकास योजनाओं का भरपूर लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि 118 करोड़ की राशि अभी हाल ही में सड़कों के निर्माण के लिए स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र की लगभग 10 सड़कों को चयनित किया गया है जिनपर 50 करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च की जाएगी।

तिस्सा से देग्रां तक जगह-जगह पर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत

हामिद खान

चंबा। चंबा जिला के चुराह विधानसभा क्षेत्र में तिस्सा से देग्रां तक जगह-जगह पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का भव्य स्वागत किया गया।

सबसे पहले खुशीनगर में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्थानीय प्रशासन, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री से मिलने और उनका अभिनंदन करने के लिए क्षेत्रवासी भारी संख्या में उपस्थित हुए।

स्वागत समारोह के दौरान स्थानीय महिलाओं और युवाओं ने प्रदेश सरकार द्वारा उनके हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के प्रति स्नेह व्यक्त करते हुए मंच और उनके वाहन पर चारों ओर से पुष्प



वर्षा की गई। जनता के इस अपार स्नेह को देखकर मुख्यमंत्री ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी का यह प्यार और उत्साह देखकर मु ो बेहद खुशी हुई है।

चुराह की जनता का यह स्नेह मु ो प्रदेश के विकास के लिए और अधिक मेहनत करने की ऊर्जा देता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के दुर्गम क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

इस मौके पर हज कमेटी के प्रधान दिलदार अली भट्ट सहित स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य उपस्थित थे।

विधायक सुदर्शन बबलू की पहल पर चक्क में मां चिंतपूर्णी प्रीमियम लीग शुरू

राजन पुरी

ऊना। युवाओं को खेलों के साथ जोड़ने और उन्हें नशे से दूर रखने के उद्देश्य से विधायक सुदर्शन सिंह बबलू ने मां चिंतपूर्णी प्रीमियम लीग-2026 के आयोजन की पहल की है।

विधायक की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता का सोमवार को ग्राम पंचायत बेहड़ जसवां के चक्क खेल मैदान में शुभारंभ हुआ। इस आयोजन के माध्यम से विधायक ने क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया है। 15 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र की 21 टीमें भाग ले रही हैं। सभी मुकाबले लेदर बाल से खेले जाएंगे। लीग के पहले मुकाबले में बेहड़ जसवां की टीम ने



राजपुर जसवां को 72 रन से हराकर शानदार शुरुआत की। पहले बगेबाजी करते हुए बेहड़ जसवां ने निर्धारित 12 ओवर में चार विकेट खोकर 155 रन बनाए।

जवाब में राजपुर जसवां की टीम पांच विकेट खोकर महज 83 रन ही बना सकी। बेहड़ जसवां के विकेटकीपर बगेबाज अंशु को मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने 30 गेंदों में 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 62 रन की तूफानी पारी खेली। विधायक सुदर्शन सिंह बबलू ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में चिट्टे के खिलाफ प्रदेशव्यापी मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम को सफल बनाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि खेलों के मैदान से युवाओं को नशे के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया जा रहा है। उनका प्रयास है कि क्षेत्र का युवा खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाए और नशे जैसी बुराई से पूरी तरह दूर रहे।

संक्षिप्त खबरें

जट्टपुर में कार-स्कूटी की टक्कर, युवक की मौत

राजन पुरी

ऊना। संतोषगढ़ क्षेत्र के तहत जट्टपुर में दीपावली के दिन कार और स्कूटी के बीच हुई जोरदार टक्कर में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान साहिल के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर अगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में जट्टपुर निवासी नरेश कुमार ने बताया कि वह पेशे से चालक है और उसका घर पीर मंदिर के समीप स्थित है। रविवार देर शाम सड़क पार कर खेतों की तरफ जा रहा था।

इसी दौरान ऊना की तरफ से एक कार संतोषगढ़ की ओर जा रही थी, जबकि संतोषगढ़ की तरफ से एक स्कूटी ऊना की ओर आ रही थी। स्कूटी पर एक ही युवक सवार था। शिकायतकर्ता के अनुसार स्कूटी चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। आरोप है कि उसने अपनी दिशा छोड़ते हुए सामने से आ रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कूटी चालक साहिल वाहन सहित सड़क किनारे जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद कार चालक ने गाड़ी रोक दी और घायल युवक को संभालने के लिए मौके पर पहुंचा।

कार चालक घायल स्कूटी सवार को अपनी गाड़ी में डालकर उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना ले गया, जहां चिकित्सकों ने स्कूटी चालक को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल के शवगृह में रखवाया। वहीं, कार चालक दविंद्र कुमार निवासी गांव डगेवाल, जिला होशियारपुर का भी चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया।

बीएसएनएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। भारत संचार निगम लिमिटेड हिमाचल प्रदेश दूरसंचार परिमंडल शिमला ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का समापन किया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का विषय था सत्यनिष्ठा से समृद्धि : "Probity for Prosperity". सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान प्रदेश भर में बीएसएनएल कार्यालयों में बैनर प्रदर्शित किए गए और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष में दूरसंचार परिमंडल कार्यालय शिमला ने निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय था सत्यनिष्ठा से समृद्धि : "Probity for Prosperity". मुख्य महाप्रबंधक हर्षवर्धन सिंह हिमाचल प्रदेश दूरसंचार परिमंडल शिमला ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। जिसमें चंपा देवी टेलीकॉम तकनीशियन, महाप्रबंधक कार्यालय शिमला प्रथम, अजय कुमार, मुख्य लेखा अधिकारी (एफए) परिमंडल कार्यालय द्वितीय व अजय कुमार (उप-मंडल अभियंता) परिमंडल कार्यालय तृतीय स्थान पर रहे। इस उपलक्ष में एक और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय था आईटी और साइबर सुरक्षा : "IT and cyber security".

तंबाकू मुक्त युवा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अंतर-विभागीय बैठक आयोजित

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। हिमाचल प्रदेश में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज एक अंतर-विभागीय बैठक आयोजित की गई। प्रदेशभर में 60 दिनों तक चलाए जाने वाले इस अभियान का उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को तंबाकू सेवन से रोकना तथा पहले से तंबाकू का सेवन कर रहे लोगों को इसे छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अभियान के पिछले संस्करण में हिमाचल प्रदेश को बड़े राज्यों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में भी स्थान मिला था। बैठक में सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और विज्ञापनों के माध्यम से तंबाकू उत्पादों के बढ़ते प्रचार पर चिंता व्यक्त की गई। इस तरह का प्रचार युवाओं को तंबाकू सेवन के प्रयोग और धीरे-धीरे इसकी लत की ओर प्रेरित कर सकता है। ऐसे प्रभावों का मुकाबला करने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया। अभियान के तहत तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने, तंबाकू मुक्त गांवों को प्रोत्साहित करने, कोटपा-2003 और पीईसीए-2019 के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शैक्षणिक संस्थानों, सोशल मीडिया और सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रदेशभर के लगभग 18 हजार शैक्षणिक संस्थानों को इस अभियान के दायरे में लाया जाएगा। प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों एवं कार्यस्थलों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाए रखने के निर्देश जारी किए जाएंगे।

कांग्रेस जनता को दे अपने चुनावी वादों का हिसाब : राज कुमार पठानिया

राजन पुरी

ऊना। भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राज कुमार पठानिया ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदा के बाद पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास के लिए दी गई आर्थिक सहायता पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस नेताओं को प्रदेश की जनता से किए गए अपने चुनावी वादों का हिसाब देना चाहिए।

पठानिया ने कहा कि वर्ष 2023 की प्राकृतिक आपदा के बाद केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास के लिए 2,006 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की थी। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 1,504 करोड़ रुपये था। इसकी पहली किस्त के रूप में 451.44 करोड़ रुपये 7 जुलाई, 2025 को जारी किए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 सितंबर, 2025 को हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर 1,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा भी की थी। यह केंद्र सरकार की हिमाचल प्रदेश के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पठानिया ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को केंद्र सरकार की सहायता पर अनावश्यक सवाल उठाने के बजाय यह बताना चाहिए कि सत्ता में आने से पहले जनता से किए गए वादों में से कितने पूरे हुए हैं। प्रदेश की जनता आज भी अनेक चुनावी गारंटियों के पूरा होने का इंतजार कर रही है।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश की हरसंभव सहायता की है। ऐसे में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करने



के बजाय प्रदेश सरकार को पारदर्शिता के साथ यह बताना चाहिए कि केंद्र से प्राप्त सहायता का कितना उपयोग हुआ और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण के लिए धरातल पर क्या कार्य किए गए हैं। पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता को राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि जवाबदेह सरकार और धरातल पर विकास चाहिए। कांग्रेस सरकार को केंद्र सरकार की सहायता पर सवाल उठाने से पहले अपने कार्यकाल और चुनावी वादों का पूरा हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान-4.0' के तहत तैयार कार्य योजना पर तत्परता से करें कार्य : उपायुक्त

एस.पी. जैरथ

नाहन। उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा ने कहा कि तंबाकू मुक्त युवा अभियान का उद्देश्य तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को नशामुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना तथा सिरमौर को तम्बाकू मुक्त जिला बनाना है। प्रियंका वर्मा आज यहां जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 'तम्बाकू मुक्त युवा अभियान-4.0' के अंतर्गत आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी।

उपायुक्त ने कहा कि 60 दिन का तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0, 28 अक्टूबर से 26 दिसंबर 2026 तक चलाया जा रहा है। उन्होंने इस अभियान के तहत गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति को तम्बाकू मुक्त युवा अभियान-4.0' के तहत तैयार की गई कार्य योजना पर तत्परता से कार्य करने पर बल दिया।

ऊना शहर में स्कूटी और बाइक की टक्कर, दो युवक घायल

राजन पुरी

ऊना। दीपावली की रात ऊना शहर की सरगम गली के समीप स्कूटी और बाइक के बीच हुई टक्कर में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। दोनों घायलों का क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में भर्ती करवाया गया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सुमित निवासी प्रेम नगर ऊना ने बताया कि दीपावली के अवसर पर वह अपने दोस्त पंकज के साथ सरगम गली के समीप अंब रोड पर सड़क किनारे पटाखे खरीद रहा था। इसी दौरान लाल बत्ती चौक की तरफ से एक बाइक अंब रोड की ओर जा रही थी। तभी एक स्कूटी सरगम गली से मुख्य सड़क पर पहुंची। आरोप है कि स्कूटी चालक सक्षम चौधरी निवासी पुल वाला बाजार ऊना ने तेज रफ्तार और लापरवाही से स्कूटी चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक पवन कुमार निवासी दमदमा मोहगा, ऊना और स्कूटी चालक सक्षम चौधरी घायल हो गए। घटना के बाद शिकायतकर्ता सुमित और उसके दोस्त पंकज ने घायल बाइक चालक पवन कुमार को अपनी मोटरसाइकिल पर क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया, जहां उसे उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी क्षेत्रीय अस्पताल पहुंची। वहां घायल पवन कुमार का चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया। एसपी ऊना सचिन हिरेमठ ने बताया कि पुलिस ने हादसे के संदर्भ में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

बीबीएमबी पर श्रेय लेने से पहले मुख्यमंत्री 2011 का ऐतिहासिक फैसला हाईलाइटर से हाईलाइट करके पढ़ लें : रणधीर शर्मा

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं श्री नैना देवी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रणधीर शर्मा ने बीबीएमबी बिजली हिस्सेदारी और वाइल्डफ्लावर हॉल विवाद पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा श्रेय लेने के प्रयासों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को राजनीतिक वाहवाही लूटने के बजाय प्रदेश की जनता के सामने इन दोनों मामलों का पूरा ऐतिहासिक और न्यायिक घटनाक्रम रखना चाहिए।

रणधीर शर्मा ने कहा कि बीबीएमबी मामले में मुख्यमंत्री इसे अपनी सरकार की उपलब्धि बता रहे हैं, जबकि इसकी कानूनी लड़ाई दशकों पुरानी है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जी, वर्ष 2011 में प्रो. प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल में सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को कानूनी



मान्यता दी थी। यह ऐतिहासिक तथ्य है। इसे नोट कीजिए और हाईलाइटर से हाईलाइट करके अपने कार्यालय में रख लीजिए।

रणधीर शर्मा ने कहा कि इस संघर्ष की पृष्ठभूमि पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के कार्यकाल तक जाती है। उन्होंने वर्ष 1992 में गठित समिति तथा जल संसाधनों पर रॉयल्टी और प्रदेश के अधिकारों से संबंधित प्रयासों का उल्लेख किया। इसके बाद वीरभद्र सिंह सरकार के कार्यकाल में वर्ष 1996 में सर्वोच्च न्यायालय में मूल वाद दायर हुआ।

उन्होंने कहा कि 27 सितंबर 2011 का फैसला इस लंबे संघर्ष की महत्वपूर्ण न्यायिक उपलब्धि थी। इसके बाद भी बकाया बिजली, पूंजीगत देनदारी और भुगतान की व्यवस्था से संबंधित प्रश्न लंबित रहे।

रणधीर शर्मा ने मुख्यमंत्री से सीधे सवाल किए क्या 2011 में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को कानूनी मान्यता मिलने के समय प्रदेश में आपकी सरकार थी?

क्या आप यह स्वीकार करेंगे कि यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रो. प्रेम कुमार धूमल सरकार के कार्यकाल में आया था?

क्या आप जनता को बताएंगे कि भारत के महान्यायवादी और केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत कैशलेस सेटलमेंट व्यवस्था की अंतिम समाधान में क्या भूमिका रही?

आपकी सरकार ने इस विवाद में कौन-सी नई कानूनी पहल की, कौन-सा नया दावा प्रस्तुत किया और उसका निर्णय पर क्या प्रभाव पड़ा?

किन्नौर की 22 पंचायतों को मिली महात्मा गांधी की प्रतिमाएं एवं प्रशस्ति पत्र

टीम एक्शन इंडिया

रिकांगपिओ। उपायुक्त किन्नौर सुश्री सोनाक्षी सिंह तोमर की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय रिकांग पिओ में 4 नवंबर 2026 को जिला किन्नौर की टीबी मुक्त पंचायतों को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की कुल 22 ग्राम पंचायतों को टीबी उन्मूलन की दिशा में उनके सराहनीय योगदान के लिए तीन श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

स्वर्ण श्रेणी 2 पंचायतों को लगातार तीन वर्षों तक टीबी मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए महात्मा गांधी की स्वर्ण प्रतिमा, रजत श्रेणी में 10 पंचायतों को रजत प्रतिमा और कांस्य श्रेणी में 10 पंचायतों को महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस समारोह का मुख्य उद्देश्य



टीबी उन्मूलन के लिए पंचायतों द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच, उपचार तथा मरीजों को उपचार पूरा करने में सहयोग देने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त किन्नौर ने स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायती राज संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पंचायतों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने टीबी के संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने तथा टीबी मरीजों के प्रति भेदभाव समाप्त करने पर विशेष जोर दिया।